जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 227 प्रभात उदयपुर, शनिवार 20 जून, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल अब मुस्कुराकर स्वीकार कर रहे हैं कि वे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हैं

उनके आत्मविश्वास का प्रतीक है कि अब वो अपना जन्म दिन कांग्रेसियों के साथ मनाने में अटपटा महसूस नहीं करते हैं

- पूर्व में राहुल गांधी प्रायः अपने जन्म दिन पर विदेश चले जाते थे, जिसे लेकर राजनीति के प्रति उनकी गंभीरता पर सवालिया निशान लगते थे।
- लेकिन, इस बार राहुल गांधी ने अपने जन्म दिन पर दो घंटे कांग्रेस कार्यालय में बिताए, कार्यकर्ताओं और नेताओं की भारी भीड़ उमड़ी, उत्सव जैसा माहौल देखा गया।
- विपक्ष में भी राहुल के नेतृत्व के प्रति स्वीकार्यता बढ़ रही है। शरद पवार, अब उतने ताकतवर नहीं रहे, वे तो अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय तक करना चाहते हैं।
- राहुल के नेतृत्व के लिए हमेशा चुनौती बनी रहीं, ममता बनर्जी भी चुनाव हारने के बाद अपनी पार्टी को बिखरने से बचाने में जुटी हैं।
- सपा और आरजेडी का नया नेतृत्व, अखिलेश एवं तेजस्वी यादव, राहुल के साथ बेहद सहज नज़र आते हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। राहुल गांधी के 56 वर्ष पूरे होने के साथ ही, बीता एक वर्ष राजनीतिक परिदृश्य में कई बड़े बदलाव लेकर आया है। उनकी राजनीतिक यात्रा में मौजूद कई बाधाएं, चाहे कांग्रेस के भीतर हों या विपक्षी खेमे में, अब काफी हद तक दूर होती दिखाई दे रही हैं। वे अब इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए सबसे अधिक स्वीकार्य चेहरे के रूप में उभर रहे हैं।

राहुल गांधी अक्सर अपने जन्मदिन के अवसर पर विदेश यात्रा पर रहते थे और सार्वजनिक रूप से कम ही दिखाई देते थे। लेकिन इस वर्ष उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) कार्यालय में लगभग दो घंटे बिताए, जहां उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच जन्मदिन का केक काटा।

अकबर रोड के आसपास का पूरा इलाका गाड़ियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से खचाखच भरा हुआ था, जिससे सामान्यतः शांत रहने वाले पार्टी कार्यालय में उत्सव जैसा माहौल बन गया था।

विपक्षी राजनीति में भी अब राहुल गांधी के लिए रास्ता काफी हद तक साफ हो गया है और वे ऐसे नेता के रूप में उभर रहे हैं जो पूरे विपक्षी मोर्चे का नेतृत्व कर सकते हैं।

मजबूत मराठा नेता शरद पवार अब राजनीतिक रूप से कमजोर स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने अपनी पार्टी के कांग्रेस में विलय के संकेत भी दिए हैं।

ममता बनर्जी, जो पहले राहुल गांधी को स्वीकार नहीं कर पाती थीं, चुनाव हार चुकी हैं और अपनी पार्टी को टूटने और समाप्त होने से बचाने में लगी हुई हैं। हाल के दिनों में उन्हें सोनिया गांधी के साथ भावुक होते हुए भी देखा गया है। एम. के. स्टालिन, जिन्होंने पहले राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताया था, चुनाव हार चुके हैं। वे कांग्रेस द्वारा विजय की पार्टी को समर्थन देने को धोखा बता रहे हैं और इससे नाराज़ भी हैं, लेकिन कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन से संबंध तोड़ने को तैयार नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

फुटपाथ पर सुरक्षित चलना पैदल यात्रियों का मौलिक अधिकार -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 जून। उच्चतम न्यायालय ने एक अहम फैसले में कहा है कि फुटपाथ पर सुरक्षित चलना मौलिक अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि नगर निगम, नगरपालिका और विकास प्राधिकरणों की जिम्मेदारी है कि वे सुरक्षित और स्पष्ट रुप से चिन्हित फुटपाथ उपलब्ध कराएं। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो नागरिक संवैधानिक और कानूनी उपायों के जरिये मुआवजा मांग सकते हैं।

कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए अलग कानूनी ढ ांचा तैयार करने पर विचार करे। कोर्ट ने कहा कि सड़कों पर मोटर वाहनों की आवाजारी से पहले पैदल चलने वालों के अधिकारों को महत्व दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने मोटर वाहन दुर्घटना से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान ये दिशा-निर्देश दिए। मामले में एक पिता ने अपने पांच साल के बेटे को खो दिया था। उच्चतम न्यायालय ने मुआवजे की रकम बढ़ ाकर 11,44,628 रुपये करने का आदेश दिया।

- यदि सुरक्षित व चिन्हित फुटपाथ उपलब्ध नहीं कराये जाते तो नागरिक मुआवजा मांग सकते हैं।

स्टालिन ने भी राहुल गांधी को जन्म दिन की बधाई दी

यह इस बात का प्रतीक है कि विपक्षी राजनीति में राहुल का स्टेटस बढ़ रहा है और स्टालिन का रुतबा घट गया है

- तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अभिनेता विजय की पार्टी के जीतने के बाद, कांग्रेस ने जिस तरह से विजय को समर्थन दिया और सरकार में शामिल हुई, उस पर स्टालिन काफी नाराज़ थे।
- स्टालिन ने लोकसभा में अपनी पार्टी सांसदों को अलग बिठाने की मांग तक कर डाली और वे इंडिया ब्लॉक की बैठक में भी नहीं आए थे।
- पर, स्टालिन द्वारा राहुल गांधी को जन्म दिन की बधाई देने से लगता है कि वे भले ही नाराज़ हों, पर, विपक्षी गठबंधन में बने रहना चाहते हैं।

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम. के. स्टालिन द्वारा इस वर्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दी गई जन्मदिन की शुभकामनाओं में, पिछले वर्ष की तुलना में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कहानी छिपी है।

इस वर्ष स्टालिन ने राहुल गांधी को "विपक्ष के नेता" कहकर संबोधित किया, जबकि 2025 में उन्होंने तत्कालीन तमिलनाडु मुख्यमंत्री रहते हुए "विचारधारा से मेरे भाई" (ब्रदर्स इन आइडियल्स) शब्द का प्रयोग किया था।

राजनीति में एक वर्ष वास्तव में बहुत लंबा समय होता है, और इसे सबसे बेहतर वही लोग जानते हैं, जो इन दोनों नेताओं की तरह, इसके गवाह रहे हैं। इस दौरान काफी कुछ बदल गया है, हालांकि एक हल्की उम्मीद अब भी बनी हुई है क्योंकि स्टालिन धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और संवैधानिक मूल्यों की राह पर दृढ़ बने हुए हैं। पिछले वर्ष और इस वर्ष के बीच सबसे बड़ा अंतर हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में डीएमके की हार है।

जब स्टालिन ने पिछले वर्ष राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दी थीं, तब उन्होंने राहुल को सम्बोधित करते हुए लिखा था, विचारधारा से मेरे भाई, जो खून से नहीं, बल्कि विचार, दृष्टि और उद्देश्य से जुड़े हैं।" उन्होंने आगे लिखा था- "आप इसी तरह दृढ़ रहें और साहस के साथ नेतृत्व करते रहें। एक उज्ज्वल भारत की ओर हमारी इस यात्रा में जीत हमारी होगी। स्टालिन की उस पोस्ट में गर्मजोशी और निकटता झलकती थी।

इसके विपरीत, आज स्टालिन की जन्मदिन शुभकामना में वह गर्मजोशी और निकटता गायब थी। उन्होंने लिखाः माननीय विपक्ष के नेता थिरु. राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ। आपके लिये अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना।

दोनों पोस्टों में शब्दों के चयन से कांग्रेस-डीएमके संबंधों की कहानी स्पष्ट होती है। जो पहले व्यक्तिगत और मित्रतापूर्ण था, वह अब औपचारिक और प्रोफेशनल हो गया है, हालांकि दोनों के बीच संचार चैनल को बनाए रखने की इच्छा अभी भी दिखाई देती है।

राहुल गांधी ने अपने उत्तर में डीएमके के प्रति सुलह का संकेत देते हुए मेल-मिलाप का संदेश दिया। स्टालिन का धन्यवाद करते हुए उन्होंने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'राम मंदिर के चढ़ावे की "हैंडलिंग" में भारी गड़बड़ियां हैं'

प्र.मंत्री मोदी के प्रधान सचिव नृपेन्द्र मिश्रा ने कहा, चढ़ावे की "हैंडलिंग" में ना ईमानदारी रखी गई है, ना सतर्कता बरती गई है

- इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंततः इस विवाद पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि सच सामने लाने के लिए एसआईटी को 15 दिन का समय दिया जाए।
- इस विवाद को लेकर भाजपा में भारी अफरा तफरी मची है। कांग्रेस और सपा ही नहीं खुद भाजपा के नेताओं ने राम मंदिर के चढ़ावे के प्रबंधन में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाया है। सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने कहा, उन्हें चढ़ावे मेंक चोरी की जानकारी है, एक अन्य नेता राजेश सिह ने इस बारे में प्र.मंत्री को पत्र लिखा।
- हालांकि, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि फंड चोरी का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आखिरकार राम मंदिर के दान में कथित गबन के आरोपों पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए विशेष जांच दल (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम-एसआईटी) को 15 दिन का समय दिया जाए। लेकिन, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्रा, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव रह चुके हैं, ने मंदिर प्रबंधन व्यवस्था में पूरी तरह सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि दान राशि के कथित दुरुपयोग के विवाद ने निगरानी और जवाबदेही की गंभीर कमियों को उजागर कर दिया है।

राज्य विधानसभा चुनाव अब केवल कुछ ही महीने दूर हैं और अयोध्या मंदिर से जुड़ा यह विवाद

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शासन सचिव अंबरीश कुमार पर दुबारा जमानती वारंट जारी

जयपुर, 19 जून। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव अंबरीश कुमार को दूसरी बार जमानती वारंट से तलब किया है।

- गत 8 जून को पहला जमानती वारंट जारी हुआ था, पर कार्यालय बंद होने से कारण तामील नहीं हो पाई।

अधिकरण की न्यायिक सदस्य पूनम दरगन और सदस्य प्रकाश चंद्र शर्मा की बेंच ने यह जमानती वारंट सरोज मीणा की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए जारी किया गया।

अदालत ने सम्मन के बावजूद पेश नहीं होने पर अंबरीश कुमार को 8 जून

(शेष पृष्ठ 5 पर)

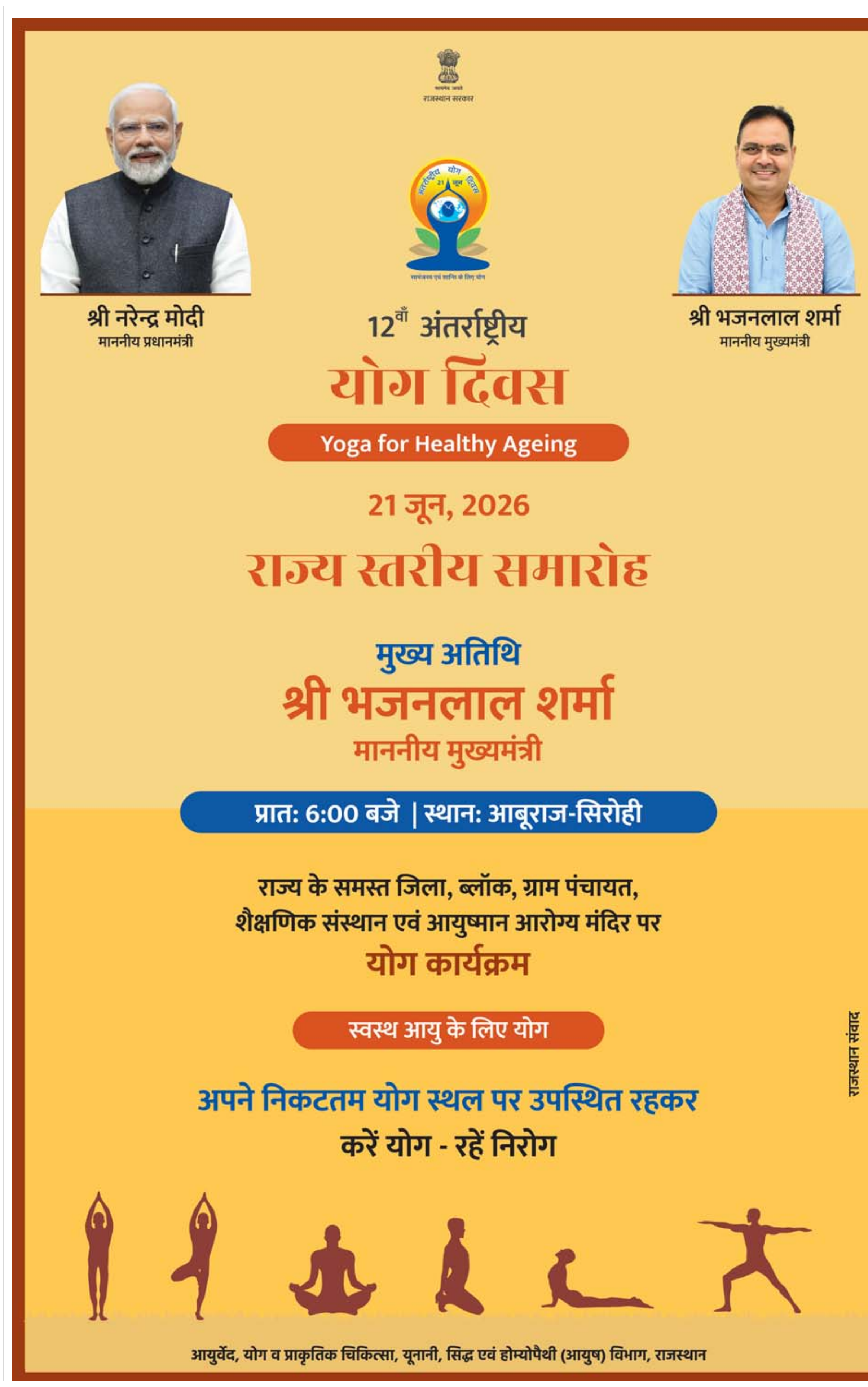

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता फेल हुई

स्विट्ज़रलैण्ड में शांति पैक्ट पर साईन होने वाले थे, लेकिन ईरान के पीछे हटने से अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने जिनेवा दौरा रद्द किया

- हिज़्बुल्लाह ने गुरुवार को एक हमले में चार इज़रायली सैनिकों को मार दिया, उसके बाद इज़रायल में भारी गुस्सा है और जवाबी कार्यवाही में लेबनान के 18 नागरिक मारे गए।
- इन हमलों को ईरान ने शांति पैक्ट का उल्लंघन बताया और लेबनान पर हमला रोकने को वार्ता की पहली शर्त करार देते हुए जिनेवा वार्ता से खुद को दूर कर लिया।
- क्षेत्रीय राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि इज़रायल और हिज़्बुल्लाह दोनों को लगता है कि शांति वार्ता से उन्हें जानबूझकर अलग रखा गया है। इज़रायल चाहता था कि उसे वार्ता मे शामिल किया जाए, वहीं हिज़्बुल्लाह को भी लगता है कि शांति वार्ता में ईरान ने उसके हितों की अनदेखी की है।
- शांति वार्ता फेल होने से एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का माहौल बन गया।
- बताया जाता है कि 14 सूत्रीय शांति समझौते में ईरान द्वारा न्यूक्लियर कार्यक्रम आगे नहीं बढ़ाने, ईरानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, अमेरिका द्वारा सभी प्रतिबंध हटाने जैसे बिंदू शामिल हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। एक छोटे से आतंकी समूह, हिज़्बुल्लाह, के कारण फारस की खाड़ी में युद्ध समाप्त करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लाने के लिए अमेरिका-ईरान समझौते को अंतिम रूप देने की जो प्रक्रिया चल रही है, उसमें अवरोध आ गया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस स्विट्ज़रलैंड जाकर तकनीकी वार्ताओं को अंतिम रूप देने वाले थे, ताकि अमेरिका-ईरान समझौता पूरा किया जा सके। लेकिन लेबनान में हिज़्बुल्लाह द्वारा की गई हिंसा ने इस समझौता प्रक्रिया को बाधित कर दिया।

हिज़्बुल्लाह कई देशों में फैला एक मिलिशिया ग्रुप है, जिसने वर्षों से लेबनानी सरकार को चुनौती दे रखी है और इसे मध्य पूर्व क्षेत्र में ईरान के गुप्त और कभी-कभी खुले अभियानों का विस्तार माना जाता है। ईरान हिज़्बुल्लाह को धन, संसाधन और हथियारों से सहायता देता रहा है।

हिज़्बुल्लाह ने गुरुवार को हमला किया, जबकि वार्ताएँ निर्धारित की जा रही थीं, हमले में लेबनान में चार इज़रायली सैनिकों की मौत हो गई। जवाब में, इज़राइल ने सैन्य कार्रवाई की,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

जो मनुष्य एक पाठशाला खोलता है वह एक जेलखाना बंद करता है। –अज्ञात

बदलता राजस्थान: शिक्षा का नया मॉडल

राजस्थान, अपनी सांस्कृतिक विरासत, रेगिस्तानी परंपराओं और विविध भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद, लगातार बदलते सामाजिक और आर्थिक परिदृश्यों के बीच अब शिक्षा के नए मॉडल की ओर अग्रसर है। परंपरागत रूप से यहाँ की शिक्षा ने लोकजीवन, हस्तशिल्प और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षण दिया है, परन्तु आज की आवश्यकता है कि वही विरासत आधुनिक शिक्षा के साथ मेल खाए ताकि युवा प्रतिभा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ स्थानीय संवेदना और पहचान को भी बनाए रखे। राजस्थान में शिक्षा का नया मॉडल इसी संतुलन का परिणाम है: एक ऐसा मॉडल जो कौशल-प्रधान, क्षेत्रीय-संवेदनशील और तकनीक-सक्षम शिक्षा को प्राथमिकता देता है, साथ ही सामाजिक समावेशन और स्थायी विकास के लक्ष्यों को केन्द्र में रखता है।

नया मॉडल स्थानीयता और ग्लोबलाइज़ेशन के बीच पुल का काम करता है। इसके मूलभूत तत्वों में पाठ्यक्रम का संदर्भीकरण, व्यावहारिक कौशलों का समावेश, बहुभाषिक शिक्षा, तथा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का समुचित उपयोग शामिल है। राजस्थान की ग्रामीण तथा शहरी इकाइयों में भिन्न-भिन्न आवश्यकताएँ हैं; इसलिए मॉडल में अनुकूलन की गुंजाइश दी गई है ताकि प्रत्येक जिला, ब्लॉक और गाँव अपनी भौगोलिक, आर्थिक व सांस्कृतिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण तैयार कर सकें। उदाहरण के लिए, ठेठ ग्रामीण क्षेत्र में जल-संवर्धन, वैकल्पिक कृषि तकनीकें व स्थानीय हस्तशिल्प को पाठ्यचर्या में शामिल किया जा सकता है, जबकि शहरी केंद्रों में आईटी, डिज़ाइन और स्टार्टअप उद्यमिता पर जोर होगा। इस तरह शिक्षा युवाओं को न केवल नौकरी की तैयारी कराती है बल्कि उन्हें स्थानीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक योगदान देने योग्य भी बनाती है।

नए मॉडल का एक प्रमुख स्तंभ कौशल आधारित शिक्षा है। पारंपरिक शैक्षणिक परिणाम जैसे अंक और डिग्रियाँ आवश्यक तो हैं परन्तु आज रोजगार बाजार में सफलता का आधार तकनीकी, संचार एवं समाधान-उन्मुख कौशल हैं। राजस्थान सरकार और निजी संस्थाएँ मिलकर वोकैशनल ट्रेनिंग, इंटर्नशिप और उद्योग-विद्यालय साझेदारियों को बढ़ावा दे रही हैं। स्कूलों में प्रारंभिक वर्ष से ही प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग तथा समकालीन कौशलों (डिजिटल साक्षरता, समस्या-समाधान, उद्यमशीलता) का समावेश किया गया है ताकि विद्यार्थी शीघ्रता से प्रयोगात्मक शिक्षा के माध्यम से कार्यक्षमता विकसित कर सकें। इससे नयी पीढ़ी को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यम शुरू करने की प्रेरणा और प्रशिक्षण दोनों मिलते हैं।

शिक्षक-शक्ति का पुनरुद्धार नए मॉडल का अगला महत्वपूर्ण पक्ष है। राजस्थान में शिक्षकों को सिर्फ विषय-ज्ञान नहीं बल्कि मार्गदर्शन, व्यक्तित्व-निर्माण और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को दर्शाने वाले प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। शिक्षकों को सामुदायिक नेताओं के रूप में देखा जा रहा है वे बच्चों के साथ-साथ अभिवावकों को भी शिक्षा के महत्त्व और नवीन पद्धतियों के प्रति समेकित करते हैं। यह बदलाव शिक्षण को केवल कक्षाकक्षीय गतिविधि से निकालकर एक समुदाय-समावेशी अभियान बनाता है, जहाँ शिक्षक स्थानीय सांस्कृतिक विधाओं, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कौशलों के मध्य संपर्क स्थापित करें।

तकनीकी शिक्षा संस्थान जब कला, साहित्य व संगीत जैसे क्षेत्रों पर काम करते हैं तो यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि हमारी पुरातन परंपराओं का आदर करने वाली एक नई पीढ़ी सशक्त हो रही है। आधुनिक तकनीकी ज्ञान और शिल्पीय कौशल के साथ सांस्कृतिक एवं कलात्मक संवेदनशीलता जोड़ने की यह दिशा नई शिक्षा नीति के मूल सिद्धांतों से मेल खाती है, जो बहुआयामी शिक्षा, क्रॉसडिसिप्लिनरी लर्निंग और स्थानीय ज्ञान के संरक्षण पर जोर देती है। महेश स्वामी जैसे विचारक और मार्गदर्शक, जिनकी सोच में परंपरा और नवाचार का संयोजन है, उन युवा मनों में जिजीविषा जगाते हैं जो तकनीक को सिर्फ उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में देखते हैं। जब संस्थान तकनीकी पाठ्यक्रमों में संगीत, लोककथाएँ, लोकहस्तकला और साहित्य को शामिल करते हैं, तो विद्यार्थी तकनीकी समस्याओं के समाधान में मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण लाते हैं, स्थानीय समृद्ध संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान को नई विधियों से पुनर्जीवित करते हैं, और रोजगार व उद्यमशीलता के नये रास्ते खोलते हैं। नई शिक्षा नीति की भाषा में यह समावेशिता आत्मसात करना न केवल रचनात्मकता व आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मसत्ता को भी मज़बूत बनाता है यानी तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक जड़ों के बीच एक जीवंत सेतु निर्मित होता है। ऐसे प्रयास न केवल विद्यार्थियों को बहुआयामी कौशल देते हैं, बल्कि समाज को भी एक ऐसी दिशा प्रदान करते हैं जहां आधुनिकता और परंपरा सहअस्तित्व में, नवोन्मेष को मानवीय अर्थ और स्थानीय प्रासंगिकता प्रदान करें।

> **राजस्थान का नया शिक्षा मॉडल एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जो वैश्विक मानकों के साथ स्थानीय संवेदनशीलता का संयोजन करता है। यह मॉडल कौशल आधारित, बहुभाषिक, तकनीक समर्थित और सांस्कृतिक रूप से समावेशी है। यदि इसे सजीव रूप में लागू किया जाए अर्थात् नीतिगत समर्थन, समुदायिक भागीदारी और सतत निवेश के साथ तो यह न केवल शैक्षिक सुधार लाएगा बल्कि सामाजिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी मार्ग प्रशस्त करेगा।**

शिक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था के बीच संबंध को मजबूती देने के लिए कैरियर मार्गदर्शन और स्थानीय-रोजगार मानचित्र बनाये गए हैं। युवा अब शहरों की ओर केवल नौकरियों की तलाश में नहीं भाग रहे; उन्हें स्थानीय पारंपरिक उद्योग, पर्यटन, और हरित अर्थव्यवस्था (जैसे जल प्रबंधन, अक्षय ऊर्जा) में अवसर दिखाये जा रहे हैं। स्कूलों और स्थानीय उद्योगों के बीच समन्वय से इंटर्नशिप और छोटे व्यवसाय आरम्भ करने वाले प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं। इससे ग्रामीण पलायन पर नियंत्रण रहता है और स्थानीय समुदायों की आर्थिक स्वायत्तता बढ़ती है।

पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक संरक्षण का समावेश भी इस मॉडल की विशिष्टता है। राजस्थान की लोककथाएँ, लोकसंगीत, हस्तशिल्प और पर्यावरणीय जीवन-ज्ञान को सीखने के माध्यम बनाया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को अपनी जड़ें जानने का अवसर मिलता है और सांस्कृतिक पर्यटन तथा हस्तशिल्प कारोबार में रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। शिक्षा अब केवल आधुनिक विज्ञान तक सीमित नहीं है; यह एक ऐसा माध्यम है जो स्थानीय पहचान को सम्मान देते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

नवोन्मेष और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूलों तथा कॉलेजों में सक्रिय प्रयोगशालाओं और इनोवेशन हब का निर्माण हो रहा है। छोटे स्तर पर स्टूडेंट-प्रोजेक्ट फंडिंग, मेकाथॉन और स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। इससे छात्रों में समस्या-समाधान की प्रवृत्ति, टीम-वर्क और वास्तविक दुनिया की नौकरी योग्य क्षमताएँ विकसित होती हैं। इसके साथ ही, उच्च शिक्षा संस्थानों में रिसर्च को स्थानीय मुद्दों जैसे जल संकट, सूखा-प्रबंधन और पारंपरिक जल संरचनाओं की आधुनिक व्याख्या पर केंद्रित किया जा रहा है।

वित्तीय और नीतिगत समर्थन का भी विशेष प्रावधान इस मॉडल में है। शिक्षा के नवाचारों के लिए अनुदान, निजी-सरकारी भागीदारी और सीएसआर फंड का उपयोग कर विशेष परियोजनाएँ चालू की जा रही हैं। यह मॉडल केवल उपरोक्त नीतियों तक सीमित नहीं है बल्कि एक लचीला फ्रेमवर्क देता है जिसे समय-समय पर स्थानीय आवश्यकताओं और तकनीकी प्रगति के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है। सफलता का आकलन अब केवल परीक्षाफल से नहीं बल्कि व्यावसायिक सफलता, सामुदायिक परिवर्तन तथा पर्यावरणीय संकेतकों के आधार पर भी किया जाता है।

हालांकि चुनौतियाँ अभी भी कम नहीं हैं। शिक्षकों की कमी, दूरदराज़ इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी, तथा सामाजिक मान्यताएँ जो कुछ समुदायों में लड़कियों की पढ़ाई पर प्रभाव डालती हैं- ये बाधाएँ बनी हुई हैं। इन चुनौतियों का सामना केवल शिक्षा नीति से नहीं बल्कि समग्र सामाजिक परिवर्तन, सामुदायिक जागरूकता और दीर्घकालिक निवेश से किया जा सकता है। इसी कारण शिक्षा के नए मॉडल में सरकार, स्थानीय समुदाय, गैर-सरकारी संस्थाएँ और निजी क्षेत्र-सभी भागीदारों की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य मानी गई है।

राजस्थान का नया शिक्षा मॉडल एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जो वैश्विक मानकों के साथ स्थानीय संवेदनशीलता का संयोजन करता है। यह मॉडल कौशल आधारित, बहुभाषिक, तकनीक समर्थित और सांस्कृतिक रूप से समावेशी है। यदि इसे सजीव रूप में लागू किया जाए अर्थात् नीतिगत समर्थन, समुदायिक भागीदारी और सतत निवेश के साथ तो यह न केवल शैक्षिक सुधार लाएगा बल्कि सामाजिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी मार्ग प्रशस्त करेगा। राजस्थान की युवा पीढ़ी, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी और वैश्विक क्षितिजों के लिए तैयार होगी, निश्चय ही राज्य को एक नया, सशक्त और आत्मनिर्भर भविष्य दे सकती है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

यह परीक्षा है या युद्ध ?

राजेन्द्र भाणावत

मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए 3 मई, 2026 को आयोजित नीट परीक्षा, पेपर लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी। अब यह पुनः 21 जून 2026 को आयोजित होने जा रही है। इस परीक्षा की तैयारी के समाचार, जिस प्रकार से मीडिया में आ रहे हैं, उससे तो ऐसा लगता है कि यह परीक्षा नहीं अपितु युद्ध की तैयारी हो रही है।

यह कहा गया है कि प्रधानमंत्री कार्यालय 21 जून को होने वाले नीट की मॉनिटरिंग अपने स्तर पर कर रहा है, जबकि इसे आयोजित करने की पूरी जिम्मेदारी एन टी ए की है। एन टी ए का तो गठन ही इस प्रकार की परीक्षाओं के आयोजन के लिए 2019 में किया गया था। क्या एक परीक्षा की मॉनिटरिंग के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय के पास और कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं है? पूरे देश में संचार के प्रमुख साधन 'टेलीग्राम' पर 22 जून तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। नीट के प्रश्न पत्रों को विभिन्न केंद्रों तक पहुंचाने के लिए वायु सेना के वायुयानों और हेलीकॉप्टरों द्वारा 200 से अधिक उड़ानें भरी गई हैं। इन पर कितना खर्चा हुआ होगा, इसकी कोई जानकारी नहीं है। इस तरह की तैयारी तो स्वतंत्रता के बाद, शायद किसी भी परीक्षा के लिए नहीं की गई।

प्रश्न पत्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए वायु सेना के विमान और हेलीकॉप्टरों का प्रयोग हास्यास्पद है। क्या जाँच में कहीं पर यह सिद्ध हुआ है कि पेपर, परिवहन के दौरान लीक हुए थे? पेपर लीक की घटना को रोकने के बारे में आवश्यक प्रभावी कार्यवाही तभी संभव है जब यह पता किया जा सके कि पेपर लीक किसके स्तर पर हुआ? मजे की बात तो यह है कि एन टी ए तो पेपर लीक होना ही नहीं मान रहा है। फिर क्यों पहली परीक्षा निरस्त करके दोबारा कराई जा रही है? क्या यह 22 लाख छात्रों के साथ मजाक नहीं है? नीट के पेपर, 2024 में भी लीक हुए थे और कई व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई थी। आज वे सभी जमानत पर हैं और शायद पुनः उसी काम में लग गए होंगे। इसी प्रकार 2025 के नीट पेपर भी लीक हुए थे लेकिन उसके ज्यादा समाचार नहीं आए। बाद में पता लगा कि कुछ व्यक्तियों को पेपर मिले थे और उसके आधार पर, अयोग्य होते हुए भी उनका चयन हो गया था। आज वे सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं।

पेपर लीक की घटनाएं बार-बार होने का प्रमुख कारण ही यह है कि इसके कारणों का सही पता नहीं लगाया जाता। इसी कारण, इसे रोकने के लिए कोई कार्रवाई भी नहीं हो पाती है। पेपर लीक गंभीर अपराध है और उसके साथ विद्यार्थियों का भविष्य जुड़ा है फिर भी इसमें लिप्त लोगों पर कठोर कार्यवाही न होना सरकारी संवेदनहीनता का ही द्योतक है। एक व्यक्ति की हत्या के लिए हत्यारे को आजीवन कारावास या फांसी की सजा होती है। नीट के पेपर लीक के कारण हुई लगभग 20 विद्यार्थियों की आत्महत्या की जिम्मेदारी एन टी ए के अधिकारियों की क्यों नहीं मानी जानी चाहिए? सरकार द्वारा ऐसा कुछ करना तो दूर, उसके शिक्षा मंत्री तक को अब तक पद से नहीं हटाया गया है,जबकि इस बारे में आंदोलन लगातार चल रहा है।

केंद्र सरकार, परीक्षा आयोजन को भी एक इवेंट बना रही है। 'टेलीग्राम' बंद करना,वायु सेना के माध्यम से पेपर पहुँचाना और प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा मॉनिटरिंग तथा इसे मीडिया में प्रमुखता से प्रचारित, प्रसारित करना इवेंट आयोजन जैसा ही तो है। समाचार पत्रों के मुखपृष्ठ पर वायुसेना के विमानों द्वारा प्रश्न पत्र ले जाने के फोटो प्रकाशित करना भी इसी का हिस्सा है।

नीट जैसी परीक्षा के पेपर कई व्यक्ति मिलकर तैयार करते हैं किंतु अंतिम प्रश्न पत्र में कौन से प्रश्न होंगे, इसकी जानकारी एन टी ए के ही कुछ अधिकारियों को होती है। एनटीए के अध्यक्ष अभी तक वही बने हुए हैं और पूर्व महानिदेशक को प्रमोशन देकर कहीं और लगा दिया गया है। इसे जवाबदेही का पूर्णतया अभाव ही कहा जाएगा।

वायुसेना के माध्यम से पेपर भेजने का निर्णय कुछ कुछ वैसा ही है, जैसे पानी की पाइपलाइन में लीकेज हो किंतु बिना यह पता लगाए कि लीकेज कहां पर है, उसे ठीक करने का प्रयास किया जाय। गाड़ी के पहिए का पंक्चर होने पर, पहले ठीक करने वाला पानी डालकर यह देखता है कि कहां से पानी के बुलबुले निकल रहे हैं ताकि वह पता लगा सके कि पंचर कहां हुआ है? और फिर, वह उसे मरम्मत करने का कार्य करता है। इतनी साधारण सी बात भी सरकार, नीट की परीक्षा के संबंध में नहीं समझ पा रही है। ऐसा लगता है वह केवल अंधेरे में तीर चला रही है और इसे भी अपने प्रचार का माध्यम बना रही है।

देश में प्रतिवर्ष विभिन्न हजारों परीक्षाओं के लाखों प्रश्न पत्र होते हैं जिनमें करोड़ों विद्यार्थी बैठते हैं। इस प्रकार से वायु सेना का उपयोग यदि प्रश्न पत्र ले जाने के लिए किया गया तो कितनी परीक्षाओं में ऐसा किया जा सकेगा? छात्र के लिए प्रत्येक परीक्षा महत्वपूर्ण होती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि उपयुक्त विश्वसनीय व्यक्तियों को परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं में लगाया जाए। उनकी ईमानदारी पर किसी प्रकार का संदेह न हो। विमानों द्वारा प्रश्न पत्र ले जाना किसी पेड़ के पत्तों को तोड़ने जैसा है जिसका कोई लाभ नहीं है। समस्या हल करने के लिए समस्या की जड़ पर प्रहार करना आवश्यक है।

सार्वजनिक रूप से सरकार को यह बताना चाहिए कि 2024 में प्रश्न पत्र लीक करने के लिए जिम्मेदार कौन थे और उन्हें अब तक सजा क्यों नहीं हुई? इसी प्रकार नीट 2026 के लिए यह बताना आवश्यक है कि किस स्तर पर पेपर लीक हुए? एन टी ए अध्यक्ष और शिक्षा मंत्री के अपने पद पर बने रहते हुए इसकी कोई निष्पक्ष जांच हो पाएगी, यह संभव नहीं है। टेलीग्राम जैसे प्रमुख संचार माध्यम को प्रतिबंधित करना युद्ध के समय उठाए गए कदम जैसा है। इस कारण लाखों लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। सरकार जब भी इंटरनेट की सेवा प्रतिबंधित करती है तो पूरे क्षेत्र में किस प्रकार सामान्य गतिविधियां ठप्प हो जाती हैं, इसका अंदाजा नागरिकों को है। केवल परीक्षा आयोजन के लिए टेलीग्राम जैसे महत्वपूर्ण साधन को प्रतिबंधित कर देना नितांत अनुचित है। सरकार को शायद इस बात का भी पता है कि आज के युवा पेपर लीक के कई वैकल्पिक तरीके अपना सकते हैं। तो फिर, इस प्रतिबंध का कोई अर्थ भी नहीं रह जाता। जैसे मोबाइल इंटरनेट को बंद करने पर, वाई-फाई तो चालू रहता ही है। मोबाइल इंटरनेट को बंद करने से परेशानी होती है किंतु इसका कोई विशेष लाभ प्रतिबंध लगाने वालों को नहीं होता है। टेलीग्राम कंपनी, प्रतिबंध के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में गई अवश्य है किंतु अब तक उसे कोई राहत नहीं मिली है। टेलीग्राम को पूरे देश में बंद करना लगभग वैसा ही है जैसे यदि सड़क पर एक एक्सीडेंट हो, तो सड़कों का उपयोग ही बंद कर दिया जाए अथवा किसी के बालों में जूं पड़ जाए तो पूरा सिर ही काट दिया जाए।

यदि प्रधानमंत्री कार्यालय एक परीक्षा की निगरानी जैसे रूटीन के काम में लग जाएगा तो देश का संचालन कौन करेगा? जो काम बिल्कुल साधारण प्रकृति का है उसे इतना बढ़ा-चढ़ा कर बता दिया गया है जैसे परीक्षा कराना असंभव सा कार्य हो गया है। हमारे पड़ोसी देश चीन में लगभग 1-2 करोड़ विद्यार्थी प्रतिवर्ष परीक्षा में बैठते हैं और वहां गत 20 सालों में कोई पेपर कभी लीक नहीं हुआ। कारण स्पष्ट है, वहां डर इतना है कि एक बार इस प्रकार की घटना होने पर संबंधित व्यक्तियों को फांसी तक हो सकती है।

नीट की परीक्षा दुबारा कराने के लिए सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उन्हें मीडिया में तो बहुत स्थान मिल सकता है, किंतु यह नीट की परीक्षा कराने का कोई सही तरीका नहीं कहा जा सकता। यह परिपाटी उचित भी नहीं है। जिसका जो काम है, वह उसे सही तरह करे, यह आवश्यक है। एन टी ए और शिक्षा मंत्रालय का काम यदि प्रधानमंत्री कार्यालय करेगा तो फिर शिक्षा मंत्रालय की आवश्यकता ही क्या है?

नीट के पेपर आउट होने पर कई विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है और अनेक छात्र मानसिक अवसाद में चले गए हैं। उसे देखते हुए, पूरी शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था पर ही पुनर्विचार की आवश्यकता है। क्यों किसी विद्यार्थी के भविष्य का निर्धारण केवल 3 घंटे की परीक्षा से कर दिया जाता है? क्या उन्हें विभिन्न प्रकार के अन्य वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर सरकार विचार नहीं कर सकती ताकि वह जीवन के अमूल्य तीन-चार वर्ष केवल एक परीक्षा पर न लगा दें, और उसमें असफल होने पर अपने जीवन का अंत ही कर लें? जीवन अमूल्य है और इसकी रक्षा करना सर्वोपरि प्राथमिकता है, परिवार के लिए भी और सरकार के लिए भी।

आशा है सरकार परीक्षाओं के आयोजन के साथ ही शिक्षा और रोजगार की पूरी व्यवस्था पर गंभीरता से पुनरावलोकन करेगी और आवश्यक कदम उठाएगी ताकि जिस प्रकार की स्थिति नीट परीक्षा के पेपर आउट होने से हुई है वैसी स्थिति देश में उत्पन्न न हो और युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ होने से बच सके।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

क्या भारत भविष्य के 'वाटर इमरजेंसी' की ओर बढ़ रहा है?

राम शर्मा

जल जीवन का आधार है। मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ और आज भी किसी देश की समृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार उसके जल संसाधन हैं। लेकिन 21वीं सदी में दुनिया जिस सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनमें जल संकट प्रमुख है। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। देश की बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल संकट को गंभीर बना दिया है। आज यह प्रश्न प्रासंगिक हो गया है कि क्या भारत भविष्य में किसी 'वाटर इमरजेंसी' की ओर बढ़ रहा है?

भारत विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, जबकि उसके पास विश्व के केवल 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधन हैं। यह असंतुलन अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या वृद्धि और औद्योगीकरण के कारण जल की मांग लगातार बढ़ी है, लेकिन जल संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप कई क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता तेजी से घट रही है।

देश के अनेक शहर पहले ही जल संकट की गंभीर स्थिति का सामना कर चुके हैं। कुछ वर्ष पहले दक्षिण भारत के प्रमुख महानगरों में से एक, बंगलुरू को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ा था। कई इलाकों में टैंकरों के सहारे पानी की आपूर्ति करनी पड़ी। इसी प्रकार चेन्नई, दिल्ली और अन्य महानगरों में भी समय-समय पर जल संकट की स्थिति उत्पन्न होती रही है। यह संकेत है कि समस्या अब केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं रही, बल्कि शहरी भारत भी इसकी चपेट में आ रहा है। जल संकट के पीछे सबसे बड़ा कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपभोक्ता माना जाता है। कृषि, घरेलू उपयोग और उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लाखों ट्यूबवेल और बोरवेल लगातार जमीन से पानी निकाल रहे हैं। कई राज्यों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर वर्ष दर वर्ष गिरता जा रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। पहले जहां मानसून अपेक्षाकृत नियमित रहता था, वहीं अब वर्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं लंबे समय तक सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है। कई क्षेत्रों में कुछ दिनों की भारी बारिश पूरे वर्ष की औसत वर्षा को पूरा कर देती है, लेकिन उसका अधिकांश जल बहकर समुद्र में चला जाता है। इससे भूजल पुनर्भरण की प्रक्रिया प्रभावित होती है और जल संकट गहराता है।

भारत में जल प्रबंधन की कमजोर व्यवस्था भी चिंता का विषय है। आज भी वर्षा जल का बड़ा हिस्सा संरक्षित नहीं किया जाता। जल संरक्षण की योजनाएं कई बार कागजों तक सीमित रह जाती हैं। शहरों में तालाब, झीलें और पारंपरिक जल स्त्रोत लगातार समाप्त होते जा रहे हैं। जिन जलाशयों ने सदियों तक समाज की जल आवश्यकताओं को पूरा किया, वे अतिक्रमण और उपेक्षा का शिकार हो गए हैं। कृषि क्षेत्र में भी जल का उपयोग अत्यधिक और कई बार अनियोजित तरीके से होता है। भारत में उपलब्ध मीठे जल का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा कृषि में उपयोग किया जाता है। अनेक क्षेत्रों में ऐसी फसलें उगाई जाती हैं जिन्हें अत्यधिक पानी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, कम वर्षा वाले क्षेत्रों में धान और गन्ने जैसी फसलों की खेती भूजल पर भारी दबाव डालती है। यदि कृषि पद्धतियों में सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में जल संकट और गंभीर हो सकता है।

शहरीकरण भी जल संकट को बढ़ा रहा है। तेजी से फैलते शहरों में कंक्रीट का विस्तार हो रहा है, जिससे वर्षा जल जमीन में समाहित नहीं हो पाता। इसके अलावा पाइपलाइन लीकेज और खराब वितरण प्रणाली के कारण बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो जाता है। कई शहरों में प्रतिदिन लाखों लीटर पानी रिसाव के कारण नष्ट हो जाता है। यह स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब लाखों लोगों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाता। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। कृषि उत्पादन में कमी, उद्योगों की उत्पादन क्षमता पर असर और ऊर्जा क्षेत्र में चुनौतियां आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकती हैं। जल की कमी से खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है, जिससे महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है। इसके अतिरिक्त पानी को लेकर सामाजिक तनाव और क्षेत्रीय विवाद भी बढ़ सकते हैं।

हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर बढ़ते तापमान और चरम मौसमीय घटनाओं ने जल संकट को और गंभीर बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दशकों में जल की उपलब्धता भारत के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बन सकती है। यह स्थिति केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप भी ले सकती है। हालांकि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। भारत के पास इस चुनौती से निपटने के पर्याप्त अवसर भी हैं। सबसे पहले जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देना होगा। वर्षा जल संचयन को प्रत्येक घर, विद्यालय, उद्योग और सरकारी भवन में अनिवार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास आवश्यक हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों, बावड़ियों और पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देना होगा। इससे पानी की बचत होगी और कृषि उत्पादकता भी बढ़ेगी। किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित करना भी समय की आवश्यकता है। साथ ही जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी। शहरी क्षेत्रों में जल पुनर्चक्रण और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग को बढ़ावा देना होगा। विकसित देशों की तरह उपचारित जल का उपयोग उद्योगों, उद्यानों और अन्य गैर-पेय कार्यों में किया जा सकता है। इससे मीठे जल पर दबाव कम होगा। साथ ही नगर निकायों को जल वितरण प्रणाली में सुधार कर रिसाव को न्यूनतम करना होगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि भारत जल संकट की चुनौती का सामना कर रहा है और यदि वर्तमान प्रवृत्तियां जारी रहीं तो भविष्य में 'वाटर इमरजेंसी' जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। लेकिन यह संकट अपरिहार्य नहीं है। दूरदर्शी नीतियों, प्रभावी जल प्रबंधन, तकनीकी नवाचार और जनभागीदारी के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। जल संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानने के बजाय प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनाना होगा। यदि आज हम पानी की प्रत्येक बूंद का महत्व समझ लें, तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट की भयावह स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा। जल है तो कल है, और भारत का भविष्य भी जल सुरक्षा पर ही निर्भर करता है।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

ग्रामीण सेवा शिविर बना जनकल्याण का केंद्र

पावटा, (निसं)। पावटा तहसील के ग्राम प्रेमनगर एवं ब्लॉक विराटनगर की ग्राम पंचायत छीतोली में शुक्रवार को आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर का आयोजन विधायक कुलदीप धनकड़ के मुख्य आतिथ्य एवं विराटनगर उपखंड अधिकारी कपिल कुमार व पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा के निर्देशन में हुआ।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर के दौरान ग्राम पंचायत छीतोली में कई प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं शिविर में सफलता की कहानी लिखते हुए ग्राम जादू का बास निवासी कोयली देवी पत्नी महेश गुर्जर को ग्रामीण सेवा शिविर में मुख्यमंत्री मंगल पशु बीमा योजना के तहत निःशुल्क बीमा पॉलिसी प्रदान की गई। कोयली देवी ने

> **■ मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना से कोयली देवी व बर्फी देवी को मिली राहत**

बताया कि पहले पशुओं का बीमा कराने के लिए भारी प्रीमियम राशि जमा करवानी पड़ती थी, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता था। लेकिन अब राज्य सरकार की इस योजना से उन्हें बिना किसी शुल्क के बीमा सुविधा मिली है। उन्होंने सरकार एवं पशुपालन विभाग का आभार जताते हुए अन्य पशुपालकों से भी योजना का लाभ लेने की अपील की।

वहीं पावटा तहसील के ग्राम प्रेमनगर निवासी बर्फी देवी की कहानी भी सरकारी योजनाओं की सफलता को दर्शाती है। बर्फी देवी के लिए पशुपालन आजीविका का प्रमुख साधन है, लेकिन पहले पशुओं के बीमार होने और उपचार पर होने वाले खर्च से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री मंगल पशु बीमा योजना के अंतर्गत पशुओं का बीमा होने से उन्हें आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिला। इन शिविरों में पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कोयली देवी और बर्फी देवी जैसी सफलता की कहानियां इस बात का प्रमाण हैं कि सरकारी योजनाओं का सही लाभ मिलने पर ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 20 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, मघा नक्षत्र प्रातः 9:26 तक, वज्र योग दिन 12:48 तक, तैतिल करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 9:26 तक है। आज अरण्य षष्ठि व्रत, विन्ध्यवासिनी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:20 से 9:03 तक, चर 12:28 से 2:11 तक, लाभ अमृत 2:11 से 5:36 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। आजल घर-परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

तुला
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का
हार्दिक आभार

राजस्थान को एक और बड़ी सौगात

राजस्थान को यमुना जल मिलने का मार्ग प्रशस्त

30 वर्षों से प्रतीक्षारत पेयजल और सिंचाई की जरूरत होगी पूरी

₹34,106 करोड़
की महत्वाकांक्षी परियोजना

वर्ष पर्यन्त जल उपलब्धता की दिशा में

राजस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि
यमुना जल का प्रमुख घटक
किशाऊ बहुउद्देश्यीय बाँध परियोजना

75 लाख आबादी को मिलेगा लाभ

यमुना जल समझौते से शेखावाटी क्षेत्र के सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिलों एवं अन्य क्षेत्रों को मिलेगा भरपूर पानी

"राजस्थान के लिए जल से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परियोजना को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में समय पर पूरा करने की प्रतिबद्धता के लिए गृह मंत्री श्री अमित शाह जी एवं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल जी का हार्दिक अभिनंदन।"

— भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में एक माह से भर्ती एक प्रसूता की मौत

सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता की किडनी फेल हो गई थी

- **हालत गंभीर होने पर पिछले 20 दिन से वेंटिलेटर पर थी महिला, किडनी फेल होने के साथ लिवर भी डैमेज हो गया था**
- **अस्पताल अधीक्षक के अनुसार प्रथमदृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है**

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम हॉस्पिटल में शुक्रवार को एक प्रसूता की मौत हो गई। हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। इनमें एक महीने से हॉस्पिटल में भर्ती सूरतगढ़ की रहने वाली प्रीति (20) पत्नी कमल नायक की हालत गंभीर थी।

जानकारी के अनुसार, डिलीवरी के बाद प्रीति की तबीयत लगातार बिगड़ती गई। उसकी किडनी फेल हो गई थी। बाद में लिवर भी डैमेज हो गया। पिछले कुछ दिनों से उसके दिमाग तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच रही थी। हालत गंभीर होने पर वह पिछले 20 दिन से वेंटिलेटर पर थी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया के अनुसार, प्रथमदृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है। किडनी के बाद अन्य अंगों ने भी काम करना बंद कर दिया। इसके कारण इलाज के दौरान शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उसकी मौत हो गई।

गौरतलब है कि पीबीएम हॉस्पिटल में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने और किडनी फेल होने के मामले को लेकर पिछले दिनों काफी विवाद भी हुआ था। फिलहाल हॉस्पिटल में तीन प्रसूताओं का इलाज चल रहा है। पीबीएम हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद एक-एक कर 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। हालात इतने बिगड़े कि प्रसूताओं की कई बार डायलिसिस की गई। सभी को आईसीयू में शिफ्ट किया गया। इनमें तारा देवी (27) और राहिला (19) को छुट्टी दे दी गई। शारदा (26) वेंटिलेटर पर और इमरती (20) पोस्ट कोविड आईसीयू में भर्ती है। कमला का मेडिसिन आईसीयू में इलाज जारी है। प्रीति की शुक्रवार दोपहर मौत हो गई।

हॉस्पिटल सुपरिटेंडेंट के अनुसार, सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं को बाजार से मंगवाए ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगाए थे। इसके बाद ही महिलाओं की तबीयत बिगड़ती गई। मामले में राज्य सरकार के स्तर पर 2 जांच कमेटी भी बनाई गई है, जिसमें जोधपुर मेडिकल कॉलेज की टीम पीबीएम हॉस्पिटल में 24 घंटे में जांच पूरी कर उसी दिन लौट गई। वहीं ड्रग कंट्रोलर की कमेटी कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

मामले में पीबीएम हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट का दावा है कि डॉक्टर्स व स्टाफ की तरफ से मामले में लापरवाही नहीं बरती गई। प्रसूताओं को प्रॉपर इलाज दिया गया। हालांकि दोनों जांच टीमों की फाइनल रिपोर्ट के बाद ही सरकार के स्तर पर अंतिम फैसला आने की संभावना है।

जोधपुर में तीन बाल श्रमिक मुक्त कराये

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से चलाए जा रहे उमंग-7 के तहत तीन बाल श्रमिकों को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। गौरतलब है कि जोधपुर में बाल श्रमिकों को मुक्त कराने की कार्रवाई जारी है। कमिश्नरेट के माता का थान और बोरानाडा क्षेत्र से तीन बालश्रमिकों को बालश्रम से मुक्त करवाया गया। बालक वैल्डिंग और हैण्डीक्राफ्ट के कार्य से जुड़े हुए थे। इनके संचालकों के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

माता का थान पुलिस थाने के एसआई हरखाराम ने नृसिंह प्याउ के पास में युवराज स्टेनलेस स्टील एवं शिवराज वैल्डिंग वर्क्स पर रेड दी। यहां पर एक बालक से श्रम करवाया जा रहा था। बाद में बाल को चाइल्ड हैल्प लाइन के समक्ष पेश किया गया। इसके संचालक खेडीवाला बेरा निवासी प्रवीण के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया। इसी तरह बोरानाडा पुलिस ने बुझावड़ रोड बालाजी नगर में गणपति आर्ट पर काम कर रहे बालकों को मुक्त करवाया।

राहुल गांधी और कांग्रेस को कोसने वाले भाजपा नेता के घर पहुंचे अशोक गहलोत

- **गहलोत के इस कदम से कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता काफी आहत हुआ है**
- **जब पंकज मेहता ने कांग्रेस छोड़ी तो अशोक गहलोत के व्यवहार को लेकर नाराजगी दिखाई थी**

कोटा, (निसं)। राहुल गांधी कोटा में छात्रों से संवाद करने के लिए आए थे। इस दौरान प्रदेशभर के नेताओं का जमावड़ा कोटा में था। अशोक गहलोत भी कोटा में रहकर राहुल गांधी के सम्मुख अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगे हुए थे। इस बीच वे कोटा का चंबल रिवर फ्रंट भी देखने रात के समय पहुंच गए। चंबल रिवर फ्रंट का भ्रमण करने के बाद वापस पैदल लौट रहे थे तो रास्ते में ही भाजपा के उन नेता जो कभी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, विधानसभा में कांग्रेस के प्रत्याशी, कांग्रेस सरकार में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष, कांग्रेस में विभिन्न पदों पर रह चुके थे और सबसे बड़ी बात जिन्हें कोटा में अशोक गहलोत का सबसे करीबी नेता माना जाता था उनकी गली में देर रात पहुंच गए।

गली में पहुंचते ही उन्हें बताया गया कि यह पंकज मेहता का मकान है, तो गहलोत ने फोन करके पंकज मेहता को नीचे बुला लिया। मेहता भी अचंभित रह गए और नाइट ड्रेस में ही अशोक गहलोत से मिलने अपने घर के नीचे गली में आ गए। बाद में गहलोत और मेहता की मुलाकात की यह तस्वीर वायरल हो गई जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गई। मजेदार बात यह है कि राहुल गांधी के दौरे को लेकर पंकज मेहता काफी आक्रामक थे और कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर लगातार काउंटर अटैक कर रहा था। अब जब यह तस्वीर सामने आई तो कांग्रेस का समर्पित कार्यकर्ता हतोत्साहित नजर आ रहा है।

गहलोत का राजनीतिक कद राजस्थान में काफी बड़ा है, इस कारण से कोई नेता या कार्यकर्ता खुलकर उनके इस कदम की निंदा तो नहीं कर रहा परंतु दबी जुबान से यह कहने पर भी नहीं चूक रहा कि गहलोत ने ऐसा करके समर्पित कार्यकर्ता के सम्मान को ठेस पहुंचाई है। ज्ञात रहे कि पंकज मेहता कोटा के वह नेता है, जिन्होंने वर्षों तक कांग्रेस में रहकर कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया था। लेकिन गत विधानसभा चुनाव में अशोक गहलोत से नाराजगी के चलते उन्होंने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। जब पंकज मेहता ने कांग्रेस छोड़ी तब उन्होंने स्पष्ट रूप से अशोक गहलोत के व्यवहार को लेकर खासा नाराजगी जाहिर की थी। अब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हैं और अपने कार्य को बखूबी अंजाम दे रहे हैं।

मासूम बच्ची की हत्या की दोषी मां और प्रेमी को आजीवन कारावास

- **कोर्ट ने कहा कि जब बच्चा अपनी मां के पास सुरक्षित नहीं तो कहां सुरक्षित रहेंगे, इस तरह की महिलाएं मां के नाम पर कलंक है, इन्हें समाज में स्वतंत्र रहने का अधिकार नहीं है**

कोटा, (निसं)। मासूम बच्ची की हत्या व साक्ष्य छिपाने के करीब पांच साल से अधिक पुराने मामले में न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश क्रम-2 ने सुनवाई करते हुए हत्या के आरोप में पकड़ी गई उसकी मां व उसके प्रेमी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

एडीजे क्रम-2 की पीठासीन अधिकारी सरिता धाकड़ ने मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी मां टीना उर्फ पुष्पा व उसके प्रेमी प्रहलाद सहाय को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही 30-30 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। अपर लोक अभियोजक भारत सिंह आसावत ने बताया कि 16 दिसंबर 2020 को परिवादी सुमित यादव ने बूढ़ादीत थाने में रिपोर्ट दी। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि 11 नवम्बर 2020 को वह काम पर गया था, घर में उसकी पत्नी टीना उर्फ पुष्पा, चार वर्षीय पुत्री नंदनी व उसकी मां रह गई और उसकी मां सगुनाबाई नरेगा में काम के लिये चली गई तो उसकी पत्नी टीना उर्फ पुष्पा उसकी बेटी नंदनी को लेकर बिना बताये घर से कहीं चली गई, काफी तलाश करने पर भी मां और बेटी को कोई पता नहीं चल रहा। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर दोनों की तलाश की। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए वर्ष 2021 में टीना उर्फ पुष्पा को जयपुर से दस्तयाब किया। पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2020 में टीना उर्फ पुष्पा का फोन गलती से प्रहलाद सहाय को लग गया, लेकिन बाद में दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होने लगी थी। जिसके बाद टीना अपनी मासूम बेटी नंदनी को लेकर प्रहलाद के कहने पर जयपुर पहुंच गई, जहां से प्रहलाद उसे अपने घर ले गया, बाद में टीना ने प्रहलाद से शादी करने की जानकारी अपने पिता को भी दी।

पुलिस जांच व अनुसंधान में सामने आया कि 9 दिसम्बर 2020 को जयपुर में उसकी बच्ची नंदनी घर की छत पर खेल रही थी और खेलते समय सीढ़ियों से गिर गई, बच्ची को अस्पताल में दिखाया तो डॉक्टर ने बच्ची के गंभीर चोट होने पर उसे बड़े अस्पताल में दिखाने को बोला। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेमी प्रहलाद सहाय बच्ची के इलाज में ज्यादा रूपये खर्च नहीं करना चाहता था और बच्ची की मां टीना ने प्रेमी प्रहलाद सहाय के कहने पर दोनों ने मिलकर शॉल से मासूम का मुंह दबाकर उसकी निर्मम हत्या कर दी और मासूम के शव को माधोगढ़ की पुलिया से पहले रोड के नीचे नाले में फेंक दिया। पुलिस को जांच के दौरान बालिका के मौजे, शॉल और कपाल की हड्डी के दो टुकड़े मिले थे, उनकी डीएनए जांच कराई गई, जिसमें सामने आया कि शव नंदिनी का है। पुलिस ने कार्यवाही कर टीना उर्फ पुष्पा व उसके प्रेमी प्रहलाद सहाय दोनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान कर आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया गया, मामले में 13 गवाहों के बयान 52 दस्तावेज पेश किये।

कोर्ट की टिप्पणी :- मासूम बच्ची की हत्या के मामले में न्यायालय ने कहा कि आरोपी महिला टीना उर्फ पुष्पा ने मातृत्व को शर्मशार किया है, एक मां द्वारा ही मासूम बच्ची को मारकर प्रेमी के साथ मिलकर शव फेंक दिया। जब बच्चा अपनी मां के पास सुरक्षित नहीं तो कहां सुरक्षित रहेंगे। इस तरह की महिलाएं मां के नाम पर कलंक व धब्बा है जो मां कहलाने के लायक नहीं है, इन्हे समाज में स्वतंत्र रहने का अधिकार नहीं है।

फिल्म प्रोड्यूसर अमित ज्याणी को धमकी मिली

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के चर्चित काला हिरण शिकार मामले पर आधारित फिल्म काला हिरण को लेकर नया विवाद सामने आया है। फिल्म के प्रोड्यूसर अमित ज्याणी को पाकिस्तान नंबरों से जान से मारने की धमकी मिली है। अमित का आरोप है कि मुझे सलमान खान के इशारे पर धमकी दी गई है। इधर, इस पूरे मामले को लेकर अमित ज्याणी ने वीडियो भी जारी किया है।

उन्होंने बताया कि पिछले दो साल से मुझे गला काटने, जान से मारने, घर उड़ाने और पेट्रोल बम से उड़ाने की धमकी मिल रही है। 28 अक्टूबर 2025 को भी मुझे धमकी मिली थी। उदयपुर में भी मुझे बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसकी भी शिकायत मैंने की थी। उन्होंने बताया कि मैं गुरु जम्भेश्वर के दर्शन करने गया था। सलमान खान हमारे खिलाफ हाईकोर्ट में है। जैसे ही मैं जोधपुर पहुंचा तो शहजाद भट्टी ने मुझे कॉल किया और मैसेज करते हुए मुझे 'काला हिरण' प्रोजेक्ट को छोड़ने की बात कही। धमकी देते हुए कहा कि प्रोजेक्ट से हट जाओ, हमारे हाथ बहुत लंबे हैं। जब मैंने कहा कि मैं तुम्हें नहीं जानता, उसने मुझे अपनी पुरानी खबरों के लिंक भेजे। हथियारों के साथ फोटो भेजते हुए कहा कि ये हमारे घर पर रहते हैं।

अमित ने कहा कि मैंने बताया कि मैं किसी गैंग का हिस्सा नहीं हूं। सभी आतंकवादियों पर फिल्म बना रहे हैं। मैं बहारों फूल बरसाओ गाने नहीं लिख सकता हूं। कुछ-कुछ होता है, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे.. ऐसी फिल्म नहीं बना सकता। मेरा सब्जेक्ट ये ही है। मैं आतंकवादी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का मेंबर नहीं हूं। मैं भारत देश का नागरिक हूं। शहजाद भट्टी घोषित आतंकवादी है।

थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि अमित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अजमेर के एक व्यक्ति से 7.22 लाख की ठगी

अजमेर, (निसं)। अजमेर में सायबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें ऑनलाइन धमकी और भय का माहौल बनाकर एक व्यक्ति से 7 लाख 22 हजार 350 रुपए की ठगी कर ली गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद सायबर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सायबर थाना प्रभारी प्रहलाद सहाय ने बताया कि पीड़ित लक्ष्मी नारायण ने शिकायत में बताया कि अज्ञात सायबर ठगों ने ऑनलाइन संपर्क कर उन्हें डराया-धमकाया और विभिन्न माध्यमों से उनके खाते से 7 लाख 22 हजार 350 रुपए की राशि ठग ली। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय सायबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सायबर पुलिस थाना एटीएस-एसओजी, जयपुर' में जीरो एफआईआर दर्ज की गई। प्रकरण राजस्थान क्षेत्राधिकार से संबंधित होने के कारण जीरो एफआईआर को आगे की कार्रवाई के लिए सायबर अपराध थाना, अजमेर भेज दिया गया। इसके बाद सायबर थाना अजमेर ने मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

जोधपुर में उत्तराखंड के युवाओं की एसयूवी पलटी, एक की मौत

- **अन्य साथी घायल, गाड़ी के सामने नील गाय आने से हुआ हादसा**

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती झंवर स्थित चिरायों की ढाणी के पास एसयूवी पलटी खाने से एक युवक की मौत हो गई और उसके कुछ साथी घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि एसयूवी में सवार लोग उत्तराखंड के हैं और वे लोग नागाणा माताजी मंदिर के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान चिरायों की ढाणी के पास गाड़ी के सामने अचानक से नील गाय आ गई थी। नील गाय को बचाने के चक्कर में एसयूवी कार पलटी खा गई। मामले में झंवर पुलिस की तरफ से कार्रवाई की गई।

झंवर पुलिस ने बताया कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित जोडियाला निवासी विशेष नौटियाल पुत्र राधाकृष्ण की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका चचेरा भाई 31 वर्षीय शुभम नौटियान पुत्र बुद्धिसागर अपने कुछ साथियों संग नागाणा मंदिर दर्शन के लिए गया था। वापसी में यह लोग झंवर के चिरायों की ढाणी से निकल रहे थे। तब उनकी गाड़ी के सामने अचानक से नील गाय आ गई और गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में उसका चचेरा भाई शुभम बुरी तरह घायल हो गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। झंवर पुलिस के अनुसार गाड़ी में सवार कुछ अन्य भी चोटिल हुए है। गाड़ी छह सात लोग सवार थे।

रिश्वत लेते तीन गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा शुक्रवार को महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, सुनीता मुद्गल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, राजबाला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादिया द्वारा अपनी नौकरी में परेशान न करने व रिश्वत नहीं देने पर नौकरी से निकालने की धमकी देकर आरोपी 50 हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान कर रही है। जिस पर महिला एवं बाल विकास विभाग भरतपुर के सूरजपोल सैक्टर की महिला पर्यवेक्षक क्षमा दहिया, सुनीता मुद्गल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कारे का नगला सैन्टर भरतपुर, राजबाला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता डी ब्लॉक रंजीत नगर भरतपुर को दस हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है।

सांभर एसडीएम ने खातेदारों का 60 साल पुराना जमीन बंटवारे का विवाद सुलझाया

- **सेवा शिविर में एसडीएम ने राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर संबंधित खातेदारों को समझाया, इसके बाद वे सभी राजीनामा के लिए सहमत हो गए**

ग्रामीण सेवा शिविर में एसडीएम ऋषिराज कपिल ने खातेदारों से समझाइश कर मामले को निपटाया।

सांभरझील, (निसं)। प्रदेश सरकार की ओर से चलाए जा रहे सेवा शिविर अनेक ग्रामीणों के लिए राहत भरा सिद्ध हो रहा है। शिविर में मौजूद सभी विभागों के अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर समाधान योग्य समस्याओं का मौके पर निस्तारण कर राहत देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ग्रामीण सेवा शिविर प्रभारी जो कि उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल है, इस मामले में पूरी तरह मॉनिटरिंग कर समस्याओं का निस्तारण करने में लगातार जुटे हुए हैं।

ऐसा ही है एक मामला जब उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल के समक्ष ग्राम खेड़ीराम के खातेदारों ने रखा कि उनकी जमीन बंटवारे का मामला पिछले 60 साल से लंबित चल रहा है और इसी विवाद के कारण उनको वास्तविक हक नहीं मिल पा रहा है, वे काफी हैरान और परेशान हैं। खातेदारों की पीड़ा को सुनकर एसडीएम ऋषिराज कपिल ने तत्काल संबंधित पटवारी व गिरदावर को जो कि शिविर में ही मौजूद थे को बुलवाया और उनके राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर संबंधित खातेदारों को एक जगह बैठाकर उन्हें समझाया इसके बाद वे सभी राजीनामा के लिए सहमत हो गए और इस प्रकार प्रशासन की पहल पर साठ साल पुराने विवाद का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। बताया गया कि प्रार्थी केशर, डालचंद व मंगला पुत्र अर्जुन गुर्जर ने शिविर में उपस्थित शिविर प्रभारी ऋषिराज कपिल व तहसीलदार सृष्टि जैन, महावीर सिंह अतिरिक्त विकास अधिकारी पंचायत समिति सांभरलेक के समक्ष उपस्थित होकर इस विवाद को रखा। शिविर में ही शिविर प्रभारी द्वारा सभी खातेदारों से आपसी समझाइश कर गिरदवार व हल्का पटवारी को निर्देशित कर बंटवारा सम्बन्धित सम्पूर्ण कार्यवाही संपन्न कर खातेदारों को राहत दी, जिससे शिविर में उपस्थिति ग्रामीणों में खुशी जाहिर की व मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान 200 राजस्व और 67 पंचायतीराज के प्रकरण के अलावा अन्य विभागों के सैकड़ों प्रकरण निस्तारित किए गए।

कार्यालय नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)
क्रमांकः- 1740-47 दिनांकः- 10.06.2026
ई-निविदा सूचना.... 2026-27
नगर परिषद गंगापुर सिटी की ओर से राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युमेंट प्रक्रिया से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा सूचना निम्नलिखित बेवसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.gov.in पर से अपलोड एवं डाउनलोड की जा सकती है।
NIB No.-DLB2627A2919
राज.संवाद/सी/26/5199 आयुक्त नगर परिषद गंगापुर सिटी

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत
ई-निविदा 03/2026-27
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Smart Class, Conference System & CCTV for CoA Baytu की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई थी। विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN NO.: JAU2627GLOB00052
राज.संवाद/सी/26/5252 नियंत्रक (वित्त)

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
क्षेत्रीय कार्यालय, पता-IPIA ROAD NO.-06, KOTA कोटा (राज.), ई-मेल :rorpcb.kota@gmail.com
क्रमांक :- राप्रनिम/क्षे.का./कोटा/निविदा-623 दिनांक :- 16/06/2026
Notice Inviting Bid
Open Bid No. 01/2026-2027 for Man Power, Interested bidder applies upto 12:00 pm dated 25.06.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://environment.rajasthan.gov.in/rpcb, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state and notice board of this office.
UBN: PCB2627SLOB00032, NIB: PCB2627A0032
Raj.Samwad/C/26/5257 Regional Officer

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- जोविप्रा/2026-27/633 दिनांक :- 16/06/2026
ई-निविदा सूचना संख्या- मुख्यालय/13/2026-27
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन नियमानुसार पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
UBN No. :- JOD2627WSOB00122
राज.संवाद/सी/26/5240 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड हिण्डौन
क्रमांक- 563-72 दिनांक-12.06.2026
निविदा सूचना संख्या-05/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए, ए, बी, सी व डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE: PWD2627A1090
UBN NO. 1. PWD2627WSRC04715, 2. PWD2627WSRC04716, 3. PWD2627WSRC04717
अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड हिण्डौन
DIPR/C/10570/2026

कार्यालय नगर परिषद् बाड़मेर (राज.)
E-mail : mbbarmerraj@gmail.com PH. NO. 02982-220098
क्रमांक : एफ-15/विकास/2026-27/2842 दिनांक : 15.06.2026
ई-निविदा सूचना संख्या - 09/2026-27
नगर परिषद् बाड़मेर की ओर से केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, उपक्रमों, संस्थानों में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान के नवीन नियमों के अन्तर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त समकक्ष श्रेणी की फर्मो/ठेकेदारों से 02 निर्माण कार्य के लिये मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त निर्माण कार्यो निविदा फार्म दिनांक 17.06.2026 से दिनांक 29.06.2026 तक ऑन लाईन प्राप्त की जाकर दिनांक 30.06.2026 को उपापन समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा को इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करानी होगी। उपरोक्त निविदा सूचना के संबंध में समस्त जानकारी/विवरण/शर्तें राज्य सरकार की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in Or http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती हैं।
NIB Code : DLB2627A3179
राज.संवाद/सी/26/5204 आयुक्त नगर परिषद, बाड़मेर

कार्यालय नगरपालिका फतहनगर सनवाड जिला उदयपुर (राज.)
क्रमांक :न.पा.फ.स./2026-27/101 दिनांक :- 16.06.2026
- ई निविदा सूचना -
सूचना संख्या 03/2026-27
नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ क्षेत्र के 2 जॉनो के 25 वार्डों में घर-घर कचरा संग्रहण, परिवहन, निस्तारण, आई.ई.सी. व यूजर चार्जेज संग्रहण का कार्य करने के लिए 2 कार्य की कुल राशि 77.00 लाख रूपयें हेतु 1 वर्ष के लिए अनुबंध हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नगर पालिका फतहनगर सनवाड़ में उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निविदा दिनांक 18.06.2026 से 29.06.2026 तक ऑन लाईन आंमत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित निविदा प्रपत्र http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदाओं को इस वेबसाइड पर भरी जानी है। निविदा के किसी भी भाग को अथवा निविदा को निरस्त करने का अधिकारी सक्षम प्राधिकारी नगरपालिका फतहनगर सनवाड़ को निहित होगा।
उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO- DLB2627SLRC07926, DLB2627SLRC07927
NIB CODE- DLB2627A3223
राज.संवाद/सी/26/5192 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका फतहनगर सनवाड

Office of the Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Address :Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033 (Raj.)
No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2026-27/3483 Date :- 15/06/2026
Notice Inviting e-Bids
Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 08-07-2026 for Supply and Installation of following Equipment/Items at Dept. of Obstetrics and Gynecology, RUHS Hospital, Jaipur

Sr. No.	Name of Equipment	Qty.	Total Est. Cost in Rs.
1.	4K Operating Laparoscopic Set	01	85,00,000.00
2.	Digital Video Colposcope	01	10,00,000.00
3.	Diagnostic Hysteroscopy Set with Hysteromat	01	10,00,000.00
4.	Laparoscopy Hand Instruments Set	As per List	6,00,000.00
5.	Laparoscopy Morcellator	01	3,00,000.00
6.	Cryo Cautery Apparatus	01	1,00,000.00
7.	Vacuum Extractor and Suction Machine	02	1,00,000.00

Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in, or eproc.rajasthan.gov.in.
UBN : CMS2627GLOB00019
UBN : CMS2627GSOB00020-25
Raj.Samwad/C/26/5250 Medical Superintendent

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PHED CITY CIRCLE AJMER
LOHA KHAN TEMPO STAND, AJMER
Telphone no. 145-2970165 Email: address: seajmer@gmail.com
S.No. : SE/Ajmer/City Circle/Ar.City 1/2026-27/2353-56 Date: 08.06.2026
NOTICE INVITING TENDER
(NIT No. 04/2026-27)
Online tenders are hereby invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from bidders meeting eligibility as per criteria mentioned in detailed tender document which can be seen and downloaded from website http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in. The tenders are tobe submitted online in electronic format on website http://eproc.rajasthan.gov.in as per schedule given below:

S. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs. in Lacs)	Bid Security @2% (Rs)	Last date of Submission of tender	Due date for opening
04/ 2026-27	Rate Contract for Removal of Leakage InAC/CI/DI/MS/uPVC/ HDPE Pipeline & inter Connections work in Ajmer City under city division I nad II Ajmer	120.00	2,40,000	22.06.2026	23.06.2026

The fender shall be received online and opened in the office of Superintending Engineer, PHED, City Circle Ajmer. The cost of each tender document is Rs. 2,000/- (Rs. Two Thousand only) by depositing through e-Challan at e-grass System, RISL processing charges of Rs. 2,000/- (Rs. Two Thousand only) for each NIT and Bid securityas mentioned abvoe shall be deposit through e-Challan at e-grass System as described in detailed NIT in tender Document an uploaded online on designated website as above. This tender notification and other details can also be seen in NIT exhibited on web site http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in from dated 08.06.2026 exhibited on web site http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in from dated 08.06.2026.

Nit No.	SPP ID NO.	UBN NO.
04/2026-27	PHE2627A0897	PHE2627WSOB01803

(Ramchandra Rar) Superintending Engineer, PHED, City Circle Ajmer
DIPR/C/10481/2026

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR
No.NIT/2026-27/3433-42 **अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 166/2026-27** Date:18.06.2026
निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)
Construction of Major Bridge & Bypass at Sewla Village at Km. 58/100 to 59/700 on Bandh Baretha to Uchain via Kheriya Mod (Sh-43) UBN: RRC2627WLOB00277	2089.39 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट: http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
महाप्रबंधक

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com
ई-निविदा सूचना संख्या-04/2026-27
कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा करौली के अधीन संचालित 14 पीएम श्री विद्यालयों (सूची संलग्न) में पूर्व प्राथमिक कक्षाएँ / बाल वाटिकाओ हेतु प्रति विद्यालय 01 एनटीटी / डिप्लोमा ट्रेंड व्यक्ति और 01 सफाईकर्मी की 10 माह की सेवाएँ हेतु (अनुमानित लागत 23.80 लाख रूपये) सेवा प्रदाता के माध्यम से ली जानी है। इस हेतु ई-निविदाएं दिनांक 15.06.2026 समय दोपहर 12.00 बजे से 24.06. 2026 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा में भाग लेने वाले संवेदकों को निविदा इलैक्ट्रोनिक फार्मेट में वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण कार्यालय में कार्यालय समय एव www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN No. : RSE2627SLOB00470
राज.संवाद/सी/26/5264 अतिo जिला परियोजना समन्वयक

नगर विकास न्यास, पाली
डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2026/1488 दिनांक :- 15/06/2026
ई-निविदा सूचना संख्या - 25/2026-27
नगर विकास न्यास, पाली की ओर न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।
यूबीएन नं. :- ITP2627WSOB00028
राज.संवाद/सी/26/5275 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर पालिका नदबई (भरतपुर) राज0
Mail Id :- nadbai.jaipur@yahoo.com Ph. No.: 05643-276696
क्रमांक :- न.पा.न./निर्माण/2026-27/1389 दिनांक : 16.06.2026
BID No. 09/2026-27
नगर पालिका क्षेत्र नदबई में निम्न कार्य करवाये जाने वास्ते राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों में रजिस्टर्ड संवेदकों/फर्म/संस्थाओं के माध्यम से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जा रही हैं। निविदा प्रपत्र eproc.rajasthan.gov.in पर या SPPP पोर्टल से या किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त किये जा सकते हैं। कार्यों के यू.बी. एन. नम्बर निम्न प्रकार हैं :-
DLB2627GLOB07865, DLB2627GLOB07868
राज.संवाद/सी/26/5180 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका नदबई

प्रदर्शन में निरंतरता को लेकर सवाल उठते हैं, क्योंकि मेरे मामले में पिछले चयन चक्र के मुकाबले अलग-अलग पैमाने और बातों को ध्यान में रखा गया। अगर वही नियम लागू होने थे जो पिछले एशियन गेम्स के चयन में लागू हुए थे।

- मनिका बत्रा

भारतीय टेनिस खिलाड़ी, मुख्य टीम में शामिल नहीं किये जाने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने भारतीय खेलों को डोपिंग मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय ओलंपिक संघ के साथ मिलकर एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य खिलाड़ियों को प्रदर्शन बढ़ाने वाली प्रतिबंधित दवाओं के खतरों के प्रति जागरूक करना और स्वच्छ खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुराम अय्यर ने बताया कि भारतीय ओलंपिक संघ और नीरज चोपड़ा फाउंडेशन के बीच क्लीन स्पोर्ट्स अभियान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पुरुषों के लिए पहला फुटबॉल फीफा विश्व कप 1930 में आयोजित किया गया था जबकि महिला टूर्नामेंट 1991 में शुरू हुआ था

FIFA WORLD CUP 2026

आज के मैच

स्कॉटलैंड बनाम मोरक्को

सुबह 3.30 बजे

ब्रॉजील बनाम हैती

सुबह 6.00 बजे

तुर्की बनाम पैराग्वे

सुबह 8.30 बजे

नीदरलैंड बनाम स्वीडन

सुबह 10.30 बजे

नॉकआउट चरण में पहुंचने वाला पहला देश बना मेक्सिको, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली, 19 जून। फीफा विश्व कप 2026 में मेजबान मेक्सिको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल लुइस रोमो ने दूसरे हाफ में किया। यह गोल दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम स्युंग-ग्यु की बड़ी गलती के बाद आया।

दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में मेक्सिको ने बढ़त बनाई, जब एक क्रॉस को पकड़ने के प्रयास में किम अपने ही साथी खिलाड़ी से टकरा गए और गेंद उनके हाथ से छूट गई। मौके का फायदा उठाते हुए रोमो ने बिना किसी गलती के गेंद को खाली गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने वापसी की कोशिश की। हालांकि किम ने बाद में शानदार बचाव करते हुए राउल जिमेनेज को दूसरा गोल करने से रोक दिया।

मुकाबले के अंतिम क्षणों में दक्षिण कोरिया को बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेक्सिको के गोलकीपर राउल रांजेल ने यांग ह्युन-जुन के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ मेक्सिको छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा और अगले दौर में पहुंच गया। अब मेक्सिको अगले मुकाबले में बुधवार को एस्तादियो अज़्टेका में चेकिया का सामना करेगा। वहीं दक्षिण कोरिया, जिसके तीन अंक हैं, अपने अगले मुकाबले में मॉन्टेरी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

कनाडा से 6-0 की हार के बाद फूट-फूटकर रोया कतर का गोलकीपर, विरोधी खिलाड़ी ने पोंछे आंसू

नई दिल्ली, 19 जून। कतर की विश्व कप में कनाडा के हाथों करारी हार से उसके खिलाड़ी और सरकारी खर्चे पर यहां पहुंचे 1000 से अधिक प्रशंसक निराश हो गए तथा अंतिम सीटी बजने के बाद गोलकीपर महमूद अबुनादा फूट-फूटकर रोने लगे, जिन्हें कनाडा के जैकब शैफेलबर्ग ने सांत्वना दी। कतर के कोच जुलेन लोपेटेगुई ने कहा, ''यह एक कठिन मैच था, क्योंकि इसमें हमारे लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा।

सब कुछ गलत हुआ। फुटबॉल में कभी-कभी ऐसा होता है।'' कतर को दूसरे हाफ के अधिकांश समय नौ खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा क्योंकि उसके दो खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया था। आखिर में उसे 6-0 से हार का सामना करना पड़ा, जो फारस की खाड़ी के इस देश की विश्व कप इतिहास में सबसे बुरी हार है। कतर ने 2022 में मेजबान के रूप में टूर्नामेंट में पदार्पण किया था और तब उसे इक्वाडोर से 2-0, सेनेगल से 3-1 और नीदरलैंड से 2-0 से हार मिली थी। कतर ने इस मैच में अपनी टीम का हौसला बढ़ाने के लिए विशेष चार्टर्ड विमान से लगभग 1000 प्रशंसकों को यहां भेजा था। खिलाड़ियों को उम्मीद थी कि वह उन्हें खुशियां मनाने का मौका देंगे लेकिन सब कुछ इसके उल्टा हुआ।

जयपुर के मनोज दासोत राजस्थान बैडमिंटन संघ उपाध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर, 19 जून। आज भीलवाड़ा में संपन्न हुए राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के चुनाव में जयपुर बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव मनोज दासोत राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। उन्हें पुनः राजस्थान बैडमिंटन के उपाध्यक्ष बनने पर जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता व कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता ने बधाई दी।

आरोही और शौर्य भार्गव ने अंडर-17 डिस्ट्रिक्ट चैम्पियनशिप जीती

जयपुर, 19 जून। अंडर-17 ज़िला चयन टूर्नामेंट में आरोही शर्मा और शौर्य भार्गव नए विजेता बनकर उभरे। टूर्नामेंट की शुरुआत में 5वीं वरीयता प्राप्त आरोही और शौर्य ने क्रमशः लड़कियों के वर्ग में कैवल्य गोयनका और गहना अजमेरा को तथा लड़कों के वर्ग में गौरांश शर्मा, गर्वित शर्मा और नील मिधा को हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रेसिडेंट श्रीमती आशा भार्गव, सेक्रेटरी जयेंद्र चतुर्वेदी और ट्रेज़रर मधु मेहता ने विजेताओं, उनके माता-पिता और कोचों को बधाई दी। और आने वाली प्रतिभागियों में जयपुर जिले के खिलाड़ी द्वार उत्कृष्ट प्रदर्शन की आशा की

कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में जयपुर, उदयपुर, सीकर व नागौर जीती

जयपुर, 19 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के सुपर लीग मैचों में जयपुर , उदयपुर , सीकर व नागौर ने शानदार जीत दर्ज की। आज समाप्त हुए मैचों का परिणाम :- जयपुर - बीकानेर, जयपुर पारी व 188 रनो से जीती जालोर - उदयपुर, उदयपुर पारी व 112 रन से जीती नागौर - करौली, नागौर 75 रन से जीती।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता में बाड़मेर, झुंझनू जीती - राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, अलवर में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता के नौक आउट दौर के आज खेले गए मैचों में बाड़मेर व झुंझनू ने जीत दर्ज करते हुए प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी-20 में बांग्लादेश को 7 रन से हराया

चटगांव, 19 जून। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश को सात रन से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने ढाका में एकदिवसीय श्रृंखला में मिली हार का हिसाब बराबर किया और साथ ही वर्ष 2021 के बाद पहली बार बांग्लादेश की धरती पर टी-20 श्रृंखला जीतने में सफलता हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक मैट रेनशॉ रहे, जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 89 रन बनाए। उन्होंने टिम डेविड (45 रन, 26 गेंद) के साथ चौथे विकेट के लिए केवल 50 गेंदों में 97 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शुरुआती झटकों के बाद दोनों बल्लेबाजों ने पारी को संभालते हुए बड़ा स्कोर खड़ा किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने पावरप्ले में तीन विकेट गंवा दिए। हालांकि रेनशॉ और डेविड की आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। अंतिम ओवरों में रेनशॉ और जोएल डेविस ने तेज रन जोड़कर टीम को 20 ओवर में 197/5 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

स्विट्ज़रलैंड ने बोस्निया को 4-1 से हराया

इंगलवुड, 19 जून। फीफा विश्व कप 2026 में स्विट्ज़रलैंड ने शानदार वापसी करते हुए शुक्रवार तड़के बोस्निया-हर्जेगोविना को 4-1 से हराकर ग्रुप बी में मजबूत स्थिति बना ली। मुकाबले का निर्णायक मोड़ दूसरे हाफ में आया, जब विकल्प खिलाड़ी योहान मंजांबी ने विश्व कप का अपना पहला गोल दागा और इसके बाद स्विट्ज़रलैंड ने लगातार आक्रामक खेल दिखाते हुए बड़ी जीत दर्ज की।

पहले हाफ में स्विट्ज़रलैंड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन बोस्निया की सधी हुई रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में स्विट्ज़रलैंड ने दबाव बढ़ाया और 74वें मिनट में मंजांबी ने शानदार वॉली के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बोस्निया की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब तारिक मुहरेमोविच को खतरनाक टैकल के कारण लाल कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए स्विट्ज़रलैंड ने 84वें मिनट में रूबेन वर्गास के गोल से स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद 90वें मिनट में वर्गास के पास पर मंजांबी ने अपना दूसरा गोल दागा। मैच के इंजरी टाइम में कप्तान ग्रेनिट झाका ने पेनाल्टी को गोल में बदलते हुए स्कोर 4-1 कर दिया।

बोस्निया की ओर से एकमात्र गोल एर्मिन माहमिक ने इंजरी टाइम में किया। हालांकि हार के बावजूद बोस्निया की टीम अब भी नॉकआउट चरण में पहुंचने की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। मुकाबले में बोस्निया के अनुभवी कप्तान एडिन जेको ने 40 वर्ष की उम्र में विश्व कप मैच खेलकर नया रिकॉर्ड भी बनाया। वह 40 वर्ष की उम्र में विश्व कप मैच शुरू करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड ने पिछले मुकाबले में कतर के खिलाफ निराशाजनक ड्रॉ के बाद शानदार वापसी की और अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद जर्मनी टीम को अलविदा कहेंगे मैनुअल नेउर, विश्वकप को बताया अंतिम टूर्नामेंट

विंस्टन-सेलम, 19 जून। जर्मनी के अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नेउर ने गुरुवार को घोषणा की है कि वह फीफा विश्व कप 2026 के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। 40 वर्षीय नेउर ने स्पष्ट किया कि यह उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। साल 2014 में जर्मनी को विश्व कप जिताने वाले नेउर लगातार पांचवें विश्व कप में जर्मनी के मुख्य गोलकीपर के रूप में खेल रहे हैं। उन्होंने यूरो 2024 में जर्मनी की क्वार्टर फाइनल हार के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास ले लिया था, लेकिन क्लब स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व कप के लिए फिर टीम में शामिल किया गया। नेउर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने 2024 में सही कारणों से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल छोड़ा था। पिछले दो वर्षों तक लगातार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना मेरे लिए शारीरिक रूप से कठिन होता। अब यह तय है कि यह मेरा आखिरी टूर्नामेंट है। मैं दो साल बाद होने वाली अगली यूरो चैम्पियनशिप में नहीं खेलूंगा। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उन्होंने यह स्वीकार किया है कि जर्मनी के लिए ये उनके अंतिम मुकाबले होंगे, लेकिन फिलहाल उनका पूरा ध्यान विदाई पर नहीं बल्कि टीम के प्रदर्शन पर है।

अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम वनडे के लिए भारतीय टीम में हर्षित राणा की वापसी

नई दिल्ली, 19 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार (19 जून) को पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया है।

हर्षित राणा पिछले कुछ समय से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे। अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है और वह चेन्नई में भारतीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच 20 जून को चेन्नई में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाएगा।

24 वर्षीय हर्षित राणा इस साल टी-20 विश्वकप से पहले अभ्यास मैच के दौरान घुटने की चोट का शिकार हो गए थे, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। उनकी जगह टीम में मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया था। चोट के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी हिस्सा नहीं ले सके और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैदान पर नहीं उतर पाए। हालांकि लंबे पुनर्वास के बाद राणा को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों की संभावित योजनाओं में भी शामिल किया गया था। अब उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी चेन्नई वनडे से ही हो सकती है, यदि उन्हें अंतिम एकादश में मौका मिलता है।

हर्षित राणा ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला टी-20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम वनडे में उन्होंने तीन विकेट लेने के साथ निचले क्रम में 43 गेंदों पर 52 रन भी बनाए थे। अब तक खेले 14 वनडे मुकाबलों में वह 26 विकेट अपने नाम कर चुके हैं।

भारत फिलहाल तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाए हुए है। टीम ने धर्मशाला और लखनऊ में खेले गए पहले दो मुकाबले जीत लिए थे। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला शनिवार (20 जून) को चेन्नई में खेला जाएगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेट कीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

दो साल बाद पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के सेमीफाइनल में प्रवेश किया

मकाऊ, 19 जून। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को मकाऊ ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही उन्होंने दो वर्षों से अधिक समय बाद पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के किसी टूर्नामेंट के अंतिम चार में प्रवेश किया है। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर मौजूद अश्मिता ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में दक्षिण कोरिया की किम मिन सुन को सीधे गेमों में 21-16, 21-18 से हराया। यह मुकाबला मकाऊ ईस्ट एशियन गेम्स डोम में खेला गया और केवल 37 मिनट तक चला। अब सेमीफाइनल में अश्मिता का सामना एक और दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी पार्क गा-यून से होगा। यह उनके करियर का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर में दूसरा सेमीफाइनल होगा और पहला अवसर है जब वह 2024 थाईलैंड मास्टर्स के बाद इस चरण तक पहुंची हैं। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 14-14 की बराबरी पर पहुंच गया। इसके बाद अश्मिता ने लगातार चार अंक जीतकर बढ़त बनाई और गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने शानदार वापसी का परिचय दिया। मध्यांतर तक वह 5-11 से पीछे थीं। इसके बाद उन्होंने धैर्य और आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए वापसी की। एक समय स्कोर 13-17 था, लेकिन अश्मिता ने अंतिम नौ में से आठ अंक जीतकर मुकाबला समाप्त कर दिया। इस वर्ष की शुरुआत में चोट के कारण लगभग तीन महीने तक कोर्ट से दूर रहने वाली अश्मिता ने वापसी के बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। मकाऊ ओपन से पहले वह चीन मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में भी क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थीं।

राजधानी

प्रधानमंत्री ने 15 लाख युवाओं को 2400 करोड़ रु. प्रोत्साहन राशि हस्तांतरित की

उन्होंने कहा कि ''भारत के लिए दुनिया दरवाजे खोल रही है, 40 देश के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ''

जयपुर(कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''पीएम विकसित भारत रोजगार योजना'' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि युवा, भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं और देश का हुनर, कौशल एवं संभावनाएं असीम हैं। युवाओं की क्षमता को अवसरों में बदलने के लिए यह योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में देशभर के 15 लाख युवाओं को लाभान्वित करते हुए 2400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को दी जा रही यह प्रोत्साहन राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके परिश्रम और प्रतिभा का सम्मान है। सरकार युवाओं और उद्योग जगत के सामूहिक प्रयासों से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम-वीबीआरवाई आज न केवल पहली नौकरी पाने वाले युवाओं को सशक्त बना रही है, बल्कि उद्योगों को भी रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहित कर रही है।प्रधानमंत्री ने कहा कि योजना के माध्यम से अब तक 70 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं तथा 20 लाख से अधिक नवनियुक्त युवा अपनी नियुक्ति के छह माह पूर्ण कर चुके हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में 2 लाख से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप सक्रिय हैं और वैश्विक स्तर पर भारत के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। 40 देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से 'मेक इन इंडिया' उत्पादों को नए बाजार उपलब्ध हो रहे हैं, जिससे रोजगार और आर्थिक विकास को गति मिल रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेते हुए निजी क्षेत्र में नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

- **युवाओं के हुनर, कौशल और सामर्थ्य से साकार होगा विकसित भारत का सपना : नरेन्द्र मोदी**
- **'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से मिला सामाजिक सुरक्षा का कवच, 70 लाख से अधिक रोजगार सृजित'**

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व से आज देश बदल रहा है और एक नए भारत का निर्माण हो रहा है। सरकार एक ओर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है तो दूसरी ओर उद्योगों और कारोबार को प्रोत्साहन देकर आर्थिक विकास को गति दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में देश के युवाओं के लिए रिकॉर्ड 17 करोड़ रोजगार का निर्माण किया है, वर्ष 2004 से 2014 तक केवल 2.92 करोड़ रोजगार के अवसरों का ही सृजन हुआ था। साथ ही जहां वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 19 प्रतिशत लोगों (लगभग 25 करोड़) को सामाजिक सुरक्षा मिलती थी, वहीं आज देश के 64.3 प्रतिशत यानी करीब 94 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ चुके हैं।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेते हुए निजी क्षेत्र में नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रोजगार सृजन, कौशल विकास और युवा सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।कार्यक्रम में सांसद राव राजेंद्र सिंह, विधायक कालीचरण सर्राफ, संबंधित विभागों के अधिकारी, निजी नियोक्ता एवं नवनियुक्त कार्मिक उपस्थित रहे।

40 पुलिस निरीक्षकों के तबादले

जयपुर। राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने शुक्रवार को महकमे में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 40 पुलिस निरीक्षकों (सीआई) के तबादले और पदस्थापन के आदेश जारी किए हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कार्मिक) बीजू जॉर्ज जोसफ द्वारा जारी इस आधिकारिक सूची में सबसे ज्यादा गाज जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पर गिरी है, जहाँ बड़े स्तर पर बदलाव देखने को मिले हैं।

इस फेरबदल की सबसे खास बात यह रही कि स्थानांतरित किए गए अधिकांश पुलिस अधिकारियों को फील्ड पोस्टिंग से हटाकर विशेष इकाइयों और विभिन्न रेंजों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। माना जा रहा है कि यह कदम कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

जयपुर कमिश्नरेट से हटाकर कई सीआई को अजमेर, उदयपुर, कोटा रेंज, बीकानेर, जोधपुर कमिश्नरेट, सीआईडी (सीबी), एटीएस-एसओजी (एटीएस-एसओजी) और जीआरपी में भेजा गया है। कई अनुभवी अधिकारियों को सामान्य पुलिस थानों की कमान से मुक्त कर सीआईडी (अपराध शाखा) और अन्य तकनीकी व विशेष विंग्स में तैनात किया गया है। अरविंद सिंह शेखावत को बीकानेर रेंज से हटा कर जयपुर कमिनश्रेट में लगा गया है। सतपाल सिंह को जयपुर कमिनश्रेट से कोटा रेंज का पदभार सौपा गया है। सतीश चंद को जयपुर कमिश्नरेट से अजमेर रेंज में नियुक्त किया गया है। साथ इन्हे अपनी नई जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं।

जयसिंहपुरा खोर में दो अवैध पटाखा गोदामों पर पुलिस की छापेमारी

- **पुलिस ने मौके से 3710 किलो से ज्यादा विस्फोटक सामग्री जब्त की**

जयपुर। राजधानी जयपुर में अवैध पटाखों और विस्फोटक सामग्री के कारोबार के खिलाफ जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र में संचालित दो अवैध पटाखा गोदामों पर छापेमारी की। इस संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने 26 विभिन्न ब्रांड के 560 कार्टून अवैध विस्फोटक सामग्री और बारूद जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद विस्फोटक सामग्री का कुल वजन 3710 किलोग्राम से अधिक बताया गया है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि सीएसटी को मित्तल कॉलेज रोड स्थित दुकान संख्या-18 भारती पटाखा गोदाम में अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम ने छापा मारकर भारी मात्रा में पटाखे और बारूद जब्त किया।

जहां मौके से दीपक खंडेलवाल (38) निवासी कांजी नगर आगरा रोड जामडोली को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 18 विभिन्न ब्रांड के 495 कार्टून विस्फोटक सामग्री, जिनका कुल वजन 1631.950 किलोग्राम है, तथा 3 से 4 किलोग्राम खुला बारूद बरामद किया।इस संबंध में जयसिंहपुरा खोर थाने में मामला दर्ज किया गया है। इसी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने रूपा की नांगल नायला रोड स्थित ड्रीम पैराडाइज फार्म हाउस परिसर में बने एक स्टोर पर भी दबिश दी। यहां पूर्णिमा पटाखा गोदाम के समीप अवैध रूप से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई मिली। पुलिस ने मौके से राजू शर्मा (45) निवासी रूपा की नांगल जयसिंहपुरा खोर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 8 ब्रांड के 65 कार्टून अवैध विस्फोटक सामग्री बरामद की गई, जिनका कुल वजन 2078 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रिहायशी और गैर-अधिकृत क्षेत्रों में इतनी बड़ी मात्रा में बारूद एवं विस्फोटक सामग्री का भंडारण किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता था। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों स्थानों पर बिना आवश्यक सुरक्षा मानकों और अनुमति के विस्फोटक सामग्री संग्रहित की जा रही थी।पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे और विस्फोटक सामग्री कहां से लाई गई थी तथा इसे किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे शिविर

बांसवाड़ा,। ग्रामीण सेवा शिविर अभियान 2026 के अंतर्गत 22 जून, सोमवार को पंचायत समिति घाटोल की ग्राम पंचायत चरड़ा, कड़वा आमरी एवं नागवाला में शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार पंचायत समिति बांसवाड़ा की ग्राम पंचायत गड़ा एवं सामरिया में, पंचायत समिति तलवाड़ा की ग्राम पंचायत कुशलपुरा में, पंचायत समिति छोटी सरवन की ग्राम पंचायत मुलिया में, पंचायत समिति अरथूना की ग्राम पंचायत मंडेला पाड़ा एवं बखत पुरा में, पंचायत समिति गढ़ी की ग्राम पंचायत डकार कुण्डी एवं झालों का गड़ा में, पंचायत समिति गांगडतलाई की ग्राम पंचायत छालका तलाई में, पंचायत समिति कुशलगढ़ की ग्राम पंचायत बावलीयापाड़ा एवं बावडी नीनामा में, पंचायत समिति सज्जनगढ़ की ग्राम पंचायत नवागांव एवं टिम्बा महुडी में, पंचायत समिति बागीदौरा की ग्राम पंचायत बोडीगामा एवं बालावाड़ा में तथा पंचायत समिति आनंदपुरी की ग्राम पंचायत नाहरपुरा एवं चौरड़ी में शिविर आयोजित होंगे।

Name Changed

I/We-Lokesh Bapna S/o-Ashok Bapna & Mrs. Reena Bapna W/o-Lokesh Bapna R/o:E-9, Shiv Park Colony, Durga Nursery Road, Udaipur, Rajasthan-313001, have changed the name of our minor daughter from-Diya Bapna to Deeya Bapna to be known by her new name for all future purposes. Affidavit No.-CL 501739 Dt.-17.06.2026.

Tel.& Fax 0294 2418976, 2417835 (O), Em: deanrcaudr@yahoo.com

राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
RAJASTHAN COLLEGE OF AGRICULTURE
MAHARANA PRATAP UNIVERSITY OF AGRICULTURE& TECHNOLOGY
GURU GOVIND SINGH MARG, UDAIPUR 313 001

Dr. M.K. Mahla, Dean and Faculty Chairman — No.RCA/Acctts/2026/11543, Dated: 18.06.2026

NIT No.: RCA/NIT/2026-27 /NIB-17

Sealed offline bids are invited up to 27.06.2026 **of 11.30 AM** in respect of the following tenders/bids: (i) Bid No.RCA/NIT/2026-27/NIB-17 UBN NO. ATU2627GSOB00096 **"Table top refrigerated centrifuge RCA, Udaipur"** Details may be seen in the Bidding Document at our office or on our websites http://www.mpuat.ac.in or the website of State Public Procurement Portal website http://www.sppp.rajasthan.gov.in may be obtained or downloaded on payment of Rs. 500/- in demand draft/online.

DEAN, RCA

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)
Email: np_ntd@yahoo.in — Phone:- 02953-233526
क्रमांक /न.पा.नाथ/नामा./2026/3007 — दिनांक : 16.6.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री राजेन्द्र सामोता पिता श्री जयचन्दलाल निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-13 क्षैत्रफल-1200 वर्गफिट, बसस्टेण्ड, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-12	भूखण्ड संख्या-14	अन्य भूमि	30 फिट रोड

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द
सं. 2854 — दिनांक: 19.6.26

लोक सूचना

श्रीमती कविता चपलोत पत्नी श्री दिलीप चपलोत निवासी अयोध्यापुरी कांकरोली राजसमन्द तहसील व जिला राजसमन्दइस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र. सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
1.	राजसमन्द	धोईन्दा	731/1	0.1477 हैक्टेयर में से 0.1251 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक19.6.26 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त ,नगरपरिषद,राजसमन्द

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)
Email: np_ntd@yahoo.in — Phone:- 02953-233526
क्रमांक /न.पा.नाथ/नामा./2026/3013 — दिनांक : 16.6.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 07 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्रीमती पुष्पा देवी प्रजापत पत्नि श्री प्रकाश चन्द्र निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या- 34 बी क्षेत्रफल-787.50 वर्गफिट, गोकुल विहार श्रीनाथ कॉलोनी, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-34ए	भूखण्ड संख्या-33	भूखण्ड संख्या-31	40 फिट रोड
2.	श्रीमती गायत्री देवी पत्नि विष्णु कुम्हार निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या- 34ए क्षेत्रफल-787.50 वर्गफिट, गोकुल विहार श्रीनाथ कॉलोनी, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्य-35	भूखण्ड संख्या-34 बी	भूखण्ड संख्या-31	40 फिट रोड

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)
Email: np_ntd@yahoo.in — Phone:- 02953-233526
क्रमांक /न.पा.नाथ/नामा./2026/3004 — दिनांक : 16.6.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 07 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री सुमित शर्मा एवं श्री रविप्रकाश शर्मा	भूखण्ड क्षैत्रफल-2855 वर्गफिट, बडी बाखर गणेश नगर, नाथद्वारा	आम रास्ता	आम रास्ता	मकान श्री राजेन्द्र जोशी	मकान श्री सौरभ गौरवा
2.	श्री सुमित शर्मा, श्रीमती मेघा शर्मा, श्री अमित शर्मा एवं श्रीमती ब्रजलता शर्मा	भूखण्ड क्षैत्रफल- 1147.87 वर्गफिट, बडी बाखर गणेश नगर, नाथद्वारा	अन्य का मकान	अन्य का मकान	अन्य का मकान	आम रास्ता

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यालय ग्राम पंचायत थाणा पंचायत समिति ऋषभदेव जिला उदयपुर (राज.)
क्रमांक:- 72 — दिनांक- 18.06.2026

-: सीमित बोली ई निविदा सूचना :

वित्तीय वर्ष 2026-27 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्ककरण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मा से ई निविदा दिनांक 25.06.2026 सायं 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIT Code: ZUD2627A0952
UBN Code-ZUD2627SSLB01248

प्रशासक, ग्राम पंचायत-थाणा, पं.स. ऋषभदेव, जिला-उदयपुर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत-थाणा, पं.स. ऋषभदेव, जिला-उदयपुर

उदयपुर में मंत्री अविनाश गहलोत ने योजनाओं की प्रगति जानी

■ **नशा मुक्त भारत जागरूकता वैन को दिखाई हरी झंडी**

उदयपुर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को उदयपुर दौरे के दौरान चित्रकूट नगर स्थित राजकीय किशोर गृह में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए जिले में विभिन्न विभागीय कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने पेंशन प्रकरण, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सहित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले।

बैठक में विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मंत्री श्री गहलोत ने पालनहार योजना में नव शामिल बच्चों की जानकारी प्राप्त की तथा संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं में प्राप्त आवेदनों, उनके निस्तारण, लाभार्थियों की स्थिति, एट्रोसिटी प्रकरणों एवं अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की।

मंत्री गहलोत ने विभागीय आवासीय छात्रावासों के जर्जर भवनों की मरम्मत कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय कार्यालयों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के फोटो लगाने का सुझाव भी अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि जिले में दिव्यांगजनों को समय पर पेंशन का लाभ मिले, इसके लिए चिकित्सा विभाग के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित कर सभी विसंगतियों को दूर किया जाए। साथ ही 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के पात्र व्यक्तियों को मुख्यमंत्री दिव्यांगजन स्कूटी योजना के लिए अधिकाधिक आवेदन करने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। इस दौरान गजपाल सिंह राठौड़, सहायक निदेशक बाल अधिकारिता के.के. चंद्रवंशी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सूरज परमार, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी हर्षित पंचोली, प्रवीण पानेरी सहित विभाग के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, नारी निकेतन एवं बालिका गृह के अधिकारी उपस्थित रहे।

चारा बेचने वाले किसानों को पाबंद किया

देवगढ़, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र में मारू दरवाजा बाहर टैक्सी स्टैण्ड पर भीलवाडा रोड के पास पशुओं के लिए हरीघास/ चारा बैचने वाले किसानो अधिशाषी अधिकारी पिन्टू लाल जाट के निर्देश पर किसानों द्वारा अवैध रूप से हरा चारा बैचते हुये पाये जाने एवं राज्य मार्ग (देवगढ़ भीलवाडा रोड) के पास आवारा पशओ को चारा डालने के कारण उक्त मार्ग पर यातायात बाधित होने एवं आम जन के दुर्घटना का अंदेशा रहने के कारण घास बैचने वाले व्याक्तियों के दुपहिया वाहन व चारा नगर पालिका द्वारा जब्त कर पाबंद किया गया है। तथा हिदायत देते हुए भविष्य में इस स्थान पर चारा नही डालने हेतु पाबन्द किया गया।इस दौरान लादु माली,पुष्पा, नैनाराम,गुलाब को पाबंद करते हुए भविष्य में चारा निर्धारित स्थान श्री करणी माता मेला ठाउंड मे स्थित लम्पी यार्ड में चारा डालने हेतु पाबन्द किया गया। नगर पालिका द्वारा मारु दरवाजा बाहर टैक्सी स्टैंड पर चैतावनी का बोर्ड लगवाया गया।

उदयपुर में लॉन्च हुई हीरो की नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0

उदयपुर, (कासं)। हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 का लॉन्चिंग कार्यक्रम उदयपुर के नेक्सस सेलिब्रेशन मॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहरवासियों और पर्यटकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर नई बाइक की लॉन्चिंग के साक्षी बने।

उदयपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संदीप बाफना ने बाइक का अनावरण कर इसे उदयपुर में लॉन्च किया। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी, डीलर प्रतिनिधि एवं टीम के सदस्य मौजूद रहे। कंपनी के अनुसार सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 में 125 सीसी का दमदार इंजन दिया गया है। बाइक को बेहतर प्रदर्शन और अधिक ईंधन दक्षता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी ने इस मॉडल के लिए 75 किलोमीटर प्रति लीटर तक माइलेज का दावा किया है।लॉन्चिंग कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को बाइक की विशेषताओं और तकनीकी खूबियों की जानकारी दी गई। आधुनिक फीचर्स, आकर्षक डिजाइन और बेहतर माइलेज के कारण बाइक को लेकर लोगों में उत्सुकता देखने को मिली।

हीरो मोटोकॉर्प की नई बाइक सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 का लॉन्चिंग कार्यक्रम उदयपुर के नेक्सस सेलिब्रेशन मॉल में आयोजित हुआ।

नेक्सस सेलिब्रेशन मॉल में आयोजित कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जहां उपस्थित लोगों ने नई बाइक का अवलोकन किया और इसकी खूबियों की सराहना की। कंपनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 दैनिक उपयोग करने वाले ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है।

संगोष्ठी का हुआ आयोजन

उदयपुर, (कासं)। आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत राजस्थान विद्यापीठ द्वारा आयोजित 10 दिवसीय समारोह की श्रृंखला में शुक्रवार को प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय सभागार में एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यस्थल स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत शिक्षा में योग का वैज्ञानिक मूल्यांकन विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने की। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को योग का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि वर्तमान समय में योग केवल एक परंपरा नहीं बल्कि जीवन की आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि आज हर पांच में से तीन व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रसित है, ऐसे में योग एक प्रभावी समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि योग के नियमित अभ्यास से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन स्थापित होता है, जो व्यक्ति के समठा विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि योग को जन-जन तक पहुंचाना समय की मांग है।

कार्यक्रम में विद्यापीठ की ब्रांड एंबेसडर एवं पुलिस उप अधीक्षक चेतना भाटी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से व्यक्ति निरोग जीवन जी सकता है। भारत प्राचीन काल से ही योग की परंपरा के कारण विश्व गुरु रहा है, लेकिन आज की युवा पीढ़ी तकनीकी युग में इस अमूल्य धरोहर को भूलती जा रही है। उन्होंने चिंता जताई कि आधुनिक जीवनशैली के कारण युवा वर्ग कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहा है। चेतना भाटी ने कहा कि योग केवल शारीरिक क्रिया नहीं बल्कि यह पंचतत्वों के संतुलन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

कपासन में मार्ग का अनावरण

कपासन, (निसं)। नगर पालिका कपासन द्वारा धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र चेतना के प्रेरणास्त्रोत पूज्य संत श्री गोविंद देव गिरी जी के पावन सानिध्य में स्वामी सत्यमित्रानन्द गिरी मार्ग का गरिमामय एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूज्य स्वामी श्री गोविन्द देव गिरी जी महाराज (कोषाध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, अयोध्या एवं उपाध्यक्ष, श्री कृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट, मथुरा) का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। स्वामी गोविंद देव गिरी का विधायक अर्जुन लाल जीनगर एवं सभी गणमान्य नागरिकों ने माल्यर्पण एवं उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया। पंडित राजू व्यास ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत रूप से मार्ग का अनावरण कराया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक अर्जुन लाल जीनगर, पूर्व विधायक बद्री लाल जाट, मंडल अध्यक्ष राज विजयवर्गीय, निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष मंजू देवी सोनी, जीएसएस अध्यक्ष नंद किशोर टेलर, निवर्तमान पार्षद पुष्पा वैष्णव आदि उपस्थित रहे।

कार्यभार संभाला

कपासन, (निसं)। हरिश भारती ने पुलिस उपाधीक्षक पद कपासन का कार्यभार संभाला। व थाने का निरीक्षण किया इस अवसर पर थाना स्टाफ ने स्वागत किया गया। पुलिस उपाधीक्षक हरिश भारती बूदी एसीबी से स्थानांतरित होकर कपासन पहुंचे व शुक्रवार को परम्परागत पदभार ठाहण किया । पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और कानून व्यवस्था की जानकारी ली, अपराधों की स्थिति तथा पुलिस कार्यप्रणाली की समीक्षा की।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान में ग्रामीण स्वच्छता व्यवस्था को लेकर जमीनी स्तर पर गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के आव्हान पर शुक्रवार को जिला शाखा उदयपुर द्वारा जिला अध्यक्ष कमलेश सेन के नेतृत्व में जिला कार्यकारिणी द्वारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद उदयपुर को ज्ञापन सौंपा गया।

इस दौरान जिला अध्यक्ष कमलेश सेन ने बताया कि सम्पूर्ण एवं निरन्तर स्वच्छता अभियान में कई व्यवहारिक और तकनीकी समस्याएं बाधा बन रही हैं, जिससे योजना के अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि ठामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू हो सके।

शहरी सेवा शिविर में अधिकारी नदारद

मावली, (निसं)। स्वायत्त शासन विभाग के आदेश पर नगर पालिका मावली में 12 जून से "शहरी सेवा शिविर कार्यक्रम-2026" शुरू हुआ है जो 15 जुलाई तक चलेगा। शिविर में पट्टे, पेंशन, स्ट्रीट लाइट, यूडी टैक्स, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे 20 से अधिक काम करने का दावा किया गया है। लेकिन शिविर की हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। नगर पालिका परिसर में लगे शिविर स्थल की तस्वीरों में काउंटर पर कर्मचारी तो बैठे दिख रहे हैं, लेकिन किसी वरिष्ठ अधिकारी या जनप्रतिनिधि की मौजूदगी नहीं दिखी। मॉनिटरिंग/निरीक्षण के लिए रखी गई कुर्सियां खाली पड़ी हैं। स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि "कर्मचारी अपने स्तर पर काम कर रहे हैं, लेकिन कोई बड़ा अधिकारी नहीं आएगा तो फाइलें आगे कैसे बढ़ेंगी। रोजाना अधिकारी आएं तो काम भी जल्दी हो और शिकायत भी सुनी जाए"।

बाइक-स्कूटी की टक्कर, दो युवकों की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के बालाडिट गांव के पास दो बाइक और एक स्कूटी के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में स्कूटी सवार और एक बाइक सवार समेत दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान बोरी गांव निवासी स्कूटी सवार सुशील कटारा और सतिरामपुर निवासी बाइक सवार कन्हैया लाल के रूप में हुई है। हादसे में थाणा निवासी महिपाल बरांडा गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)
क्रमांक : F-7 ( )B.Plan/Misc/2026-27/789 — दिनांकः- यथाहस्ताक्षरित

आम - सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा दिनांक 14-10-2024 को विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां (Development Promotion & Control Regulations) हेतु जारी अधिसूचना एवं इसकी निरन्तरता मे समय-समय पर जारी आदेशों/ परिपत्रों/अधिसूचनाओं आदि की अनुपालना में निम्नलिखित प्रकरण भू-उपयोग परिवर्तन बाबत् विचाराधीन हैः-

क्र सं	आवेदकका नाम	राजस्व ग्राम/ योजना	खसरा संख्या / ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड / भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1	सेन्ट ऍन्थेनीज सिनियर सेकेण्ड्री स्कुल जरिये सेकेटरी श्री एल्बिन डिसूजा, मैनेजर श्रीमती सिबिल डिसूजा	देवाली (गोवर्धन विलास)	656 मीन, 657, 658, 659 मीन, 990, 992, 1153/659, 931 मीन, 1148/931	100 एवं 101	5600.00 वर्गफीट	देवाली गोवर्धन विलास में सेन्ट ऍन्थेनीज सिनियर सेकेण्ड्री स्कूल के समीप 40 फीट सडक पर स्थित है।	आवासीय उपयोग से एज्यूकेशन / नर्सरी स्कुल प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्राधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सचिव, उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)
क्रमांक : F-7 ( )B.Plan/Misc/2026-27/788 — दिनांकः- यथाहस्ताक्षरित

आम - सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा दिनांक 14-10-2024 को विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां (Development Promotion & Control Regulations) हेतु जारी अधिसूचना एवं इसकी निरन्तरता मे समय-समय पर जारी आदेशों/परिपत्रों/अधिसूचनाओं आदि की अनुपालना में निम्नलिखित प्रकरण भू-उपयोग परिवर्तन बाबत् विचाराधीन हैः-

क्र सं	आवेदकका नाम	राजस्व ग्राम/ योजना	खसरा संख्या/ ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड / भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1	श्रीमती राजकुमार बोल्या पत्नी श्री रतनसिंह बोल्या	शोभाग पुरा	131 मीन, 133 मीन, 134 से 137	09	1751.75 वर्गफीट	आरके सर्कल से मिराज मल्हार कॉम्पलेक्सस को जाने वाली 80 फीट सडक पर श्री कन्हैया टेन्ट एवं केटरर्स के समीप स्थित है।	आवासीय उपयोग से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्राधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते हैं। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सचिव, उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत टेकण, पंचायत समिति लसाड़िया, जिला सलुम्बर (राज.)
क्रमांक:- 360 — दिनांक- 18.06.2026

-: ई निविदा सूचना- 01 एवं 02/2026-27 :-

ग्राम पंचायत टेकण में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 24.06.2026 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No- 1. ZUD2627GLRC001169
2. ZUD2627GLOB01170

प्रशासक, ग्राम पंचायत-टेकण, पं.स.-लसाडिया, जिला-सलुम्बर (राज.) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत-टेकण, पं.स.-लसाडिया, जिला-सलुम्बर (राज.)

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)
Email: np_ntd@yahoo.in — Phone:- 02953-233526
क्रमांक /न.पा.नाथ/उप.एकी./2026/3058 — दिनांक : 16.06.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्धा/पट्टा शुद्धा के आधार पर भूखण्डों का उपविभाजन/एकीकरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर उपविभाजन/एकीकरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्रीमती गीता कुमावत पत्नि श्री योगेश कुमावत निवासी- नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या - 03 क्षेत्रफल- 3691.33 वर्गफिट, कृष्णा मोटरस के पास लाल बाग, नाथद्वारा	मकान श्री नवनीत सनाढ्य	20 फिट रोड	मकान श्री शौकिन जैन	भूखण्ड संख्या-02
2.	श्रीमती ज्योति कुमावत पत्नि श्री हरिश कुमावत निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-02 क्षेत्रफल- 3691.33 वर्गफिट, कृष्णा मोटरस के पास लाल बाग, नाथद्वारा	मकान श्री नवनीत सनाढ्य एवं श्री बद्री भाई रेबारी	20 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-03	भूखण्ड संख्या-01
3.	श्रीमती राधा देवी पत्नि श्री दिनेश कुमावत निवासी-नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-01 क्षेत्रफल- 3691.33 वर्गफिट, कृष्णा मोटरस के पास लाल बाग, नाथद्वारा	मकान श्री बद्री भाई रेबारी	20 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-02	भूखण्ड श्री राकेश सेन

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

क्षेत्रीय कार्यालय
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
एफः 470.यू.सी.सी.आई. भवन के पास, मेवाड़ औद्योगिक क्षेत्र, मादडी, उदयपुर (राज.)
ई-मेल : rorpcbudaipur@gmail.com

पर्यावरण स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई के लिये आम सूचना

विषयः - मैसर्स 'एनएम इण्डिया बायो प्रा. लि.', खसरा नं. 4793, 4794, 4795, 4796 एवं 4798, ग्राम- उमरड़ा, तहसील-गिर्वा, उदयपुर expansion of Chemical Fertilizer Manufacturing Unit located at Araji no. 4793, 4794, 4795, 4796 and 4798, Village- Umarda, Tehsil-Girwa, District-Udaipur, Rajasthan हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई। 1. सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स 'एनएम इण्डिया बायो प्रा. लि.', खसरा नं. 4793, 4794, 4795, 4796 एवं 4798, ग्राम- उमरड़ा, तहसील-गिर्वा, उदयपुर प्रस्तावित परियोजना expansion of Chemical Fertilizer Manufacturing Unit located at Araji no. 4793, 4794, 4795, 4796 and 4798, Village- Umarda, Tehsil-Girwa, District-Udaipur Rajasthan का प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहां तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) के समक्ष प्रस्तुत किया है तथा परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई बाबत आवेदन किया गया है।

Details of Products & By-products:

Name of Product/By-product	Product/By-product	Proposed	Unit
Ecosil De	Product	2000	MTA
CMS	Product	3000	MTA
Geopotash	Product	4000	MTA
Phospho Gypsum Powder	Product	20000	MTA
Organic Manure	Product	3000	MTA
Phospho Gypsum Granules	Product	8000	MTA
PROM	Product	4000	MTA
Vermi Compost	Product	2000	MTA
H_2SiF_6 (Liquor)- 100%	By-Product	555	MTPA
Spent Acid from LABSA	By-Product	7095	MTPA
Powder Single Super Phosphate (SSP) a. Boronated SSP/GSSP b. Zincated SSP/GSSP c. Boronated + Zincated SSP/GSSP d. Granulated Single Super Phosphate	Product	132000	Tons Per Annum (TPA)
Urea GSSP	Product	132000	Tons per Annum (TPA)
Di-Calcium Phosphate	Product	9900	Tons per Annum (TPA)
Magnesium Sulphate	Product	9900	Tons per Annum (TPA)
Potassium Fluoride	Product	9900	Tons per Annum (TPA)
Zinc Sulphate	Product	8250	Tons per Annum (TPA)
Ferrous Sulphate	Product	13200	Tons per Annum (TPA)
LABSA (Linear Alkyl Benzene Sulphonic Acid)	Product	9900	Tons per Annum (TPA)
Geophos Powder	Product	1000	MTA
NPK Bio-Fertilizer	Product	5000	MTA

2. और चूंकि मण्डल को उक्त परियोजना हेतु वन, पर्यावरण एंव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 के अनुसार लोक सुनवाई हेतु इस आशय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना आवश्यक है । 3. उक्त परियोजना से सबन्धित संक्षिप्त अभिलेख (कार्यकारी सारांश) निम्नांकित कार्यालयों पर उपलब्ध हैः- 1) कार्यालय जिला कलेक्टर, उदयपुर। 2) सदस्य सचिव, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, मुख्यालय 4, संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर। 3) क्षेत्रीय कार्यालय वन, पर्यावरण एंव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ए-216, अरन्य भवन संस्थानिक क्षेत्र झालाना डुंगरी, जयपुर। 4) क्षेत्रीय कार्यालय वन एंव पर्यावरण मंत्रालय, केन्द्रीय भवन, 5वां तल, सेक्टर एच, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) 5) मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, उदयपुर। 6) उपखण्ड अधिकारी, तहसील-गिर्वा, जिला-उदयपुर। 7) सरपंच, ग्राम- उमरड़ा, तहसील-गिर्वा, जिला-उदयपुर। 8) निदेशक, पर्यावरण विभाग, कमरा संख्या 8240 द्वितिय तल, उ-प (एसएसओ) भवन, सचिवालय, जयपुर। 9) क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, एफ-470, मेवाड़ औद्योगिक क्षेत्र, मादड़ी उदयपुर (राज.)। अतः सर्व साधारण को नोटिस के माध्यम से एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति से सम्बन्धित लोक सुनवाई दिनांक 24.07.2026 (शुक्रवार) को प्रातः 11:00 बजे, ग्राम पंचायत उमरड़ा, ग्राम-उमरड़ा, तहसील-गिर्वा, जिला-उदयपुर में उपस्थित होकर अपने सुझाव/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। साथ ही इस सम्बन्ध में लिखित सुझाव/आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण, मण्डल, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर मे भी प्रस्तुत किये जा सकते है

क्षेत्रीय अधिकारी

कार्यालय पंचायत समिति भीण्डर, जिला उदयपुर (राज.)
क्रमांक: पंसभी./ई-निविदा/2026-26/85 — दिनांक:- 19.06.2026

ई-निविदा सूचना संख्या:- 01/2026-27

पंचायत समिति भीण्डर की अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में वर्ष 2026-27 हेतु विभिन्न पेयजल (हेण्डपम्प ट्युबवेल मय पनघट) स्थापना कार्यो के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण एवं निविदा जमा कराने की दिनांक आदि के बारे में जानकारी Sppprajasthan.gov.in एवं eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

NIB Code-ZUD2627A0958 — **UBN No-ZUD2627WSOB01254**

(विरेन्द्र कुमार व्यास RRDS)

प्रशासक, पंचायत समिति भीण्डर — विकास अधिकारी, पंचायत समिति भीण्डर

कार्यालय ग्राम पंचायत बड़गांव
पंचायत समिति भीण्डर, जिला-उदयपुर (राज.)
क्रमांक :-ग्रा.पं.बड़/2026-27/89 — दिनांक: 11/06/2026

निविदा सूचना 2026-27

इस ग्राम पंचायत अंतर्गत निम्नानुसार सामग्री क्रय/कार्य कराये जाने हेतु सक्षम पंजीकृत फर्मो से मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है:

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि लाखों में	निविदा शुल्क	अनुमानित राशि (कुल लागत की 2 प्रतिशत)	निविदा प्रपत्र बेचने की अंतिम दिनांक	निविदा जमा कराने की अंतिम दिनांक	निविदा खोलने की अंतिम
1	सीसी रोड़ मय नाली निर्माण कार्य मेन रोड से राडाजी बावजी की ओर नारायणपुरा बड़गांव	5.94 लाख रु.	500/-	11882/-	19.6.2026	29.6.2026 1.00 PM तक	29.6.2026 2.00 PM

उक्त निविदा संबंधी सूचना आप द्वारा EPROC.RAJASTHAN.GOV.IN, SPPP.RAJASTHAN.GOV.IN पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

प्रशासक, ग्राम पंचायत बड़गांव, पंचायत समिति भीण्डर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बड़गांव, पंचायत समिति भीण्डर

परियोजनाओं की स्वीकृति से लेकर कार्यादेश तक सभी प्रक्रियाओं को स्ट्रीम लाइन करें- भजनलाल

राज उन्नति की बैठक में खाटू श्याम जी मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करने के निर्देश दिए

जयपुर, 19 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पानी, बिजली, चिकित्सा, सड़क सहित, जनसुविधाओं से जुड़े किसी भी काम में प्रशासनिक शिथिलता के कारण देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ''राज उन्नति'' की छठी बैठक में कहा कि आमजन को

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीगंगानगर जिले में एक ही भूमि के दो पट्टे जारी किए जाने पर व जन सुविधा की आरक्षित भूमि पर व्यवसायिक पट्टा देने के प्रकरण में यूआईटी सचिव सहित 6 कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिए।**

योजनाओं और विकास परियोजनाओं का निरन्तर लाभ मिलना चाहिए। निविदा प्रक्रिया में देरी या किसी भी अन्य कारण से इनमें रूकावट आई तो अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सांगानेर में सीईटीपी के पम्पिंग स्टेशन और पाइप-लाइन के काम में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी मौके पर जाकर मुआयना करें और शीघ्रता से काम पूरा करवाएं। उन्होंने कहा कि देखने में आया है कि बड़ी परियोजनाओं में स्वीकृतियां, भूमि अधिग्रहण, निविदा प्रक्रिया और कार्यादेश जारी करने में लम्बा समय लगता है। उन्होंने मुख्य सचिव को इन प्रक्रियाओं को स्ट्रीमलाइन कर परियोजनाओं में लगने वाले समय को कम करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने श्रीगंगानगर जिले में एक ही भूमि के दो पट्टे जारी किए जाने पर, तथा जनसुविधा हेतु आरक्षित भूमि पर व्यावसायिक पट्टे जारी किए जाने के प्रकरण में यूआईटी सचिव सहित, इस प्रकरण में संलिप्त आधा दर्जन से अधिक कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जिलेवार रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 7 विभागों की 8 परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं को मिशन मोड पर पूर्ण जिम्मेदारी से तय समय सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग और आरएसआरडीसी के अधिकारी निर्धारित ब्लू प्रिंट के अनुसार कार्य करते हुए खाटूश्याम जी मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान करें।

उन्होंने सचिवालय में स्थानाभाव को देखते हुए, जयपुर के लालकोठी क्षेत्र में प्रस्तावित कर्मयोगी भवन स्थापना की कार्ययोजना की समीक्षा की तथा आरएसआरडीसी को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज उन्नति की पूर्व बैठकों में मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना की प्रगति की जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि हर माह होने वाली राज उन्नति की बैठक में मुख्यमंत्री वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से सीधे संवाद कर प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं तथा समस्या का वास्तविक समय में समाधान किया जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज उन्नति की छठी बैठक में अधिकारियों दिशा-निर्देश दिए।

पार्टी की सदस्यता छोड़ने पर संसद की सदस्यता भी चली जाती है- अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली, 19 जून। तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संसद भवन में मुलाकात की। मुलाकात में उन्होंने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि तृणमूल से अलग होने की बात कहने वाले धड़े को मान्यता नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान स्पष्ट कहता है कि पार्टी की सदस्यता छोड़ने

- **तृणमूल नेता ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर अलग होने वाले धड़े को मान्यता नहीं देने का अनुरोध किया**

पर संसद की भी सदस्यता चली जाती है।

अभिषेक बनर्जी को इससे पहले 15 जून को लोकसभा अध्यक्ष से मिलना था। लेकिन कोलकाता में ईडी के समन के कारण मुलाकात संभव नहीं हो पाई। लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें आज 5 बजे मिलने का समय दिया था। मुलाकात के दौरान अभिषेक के साथ कल्याण बनर्जी, सौगत राय, महुआ मोइत्रा और डेरेक ऑ ब्रायन भी थे।

लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने बताया कि उन्होंने पार्टी से अलग होने की बात कहने वाले धड़े को मान्यता नहीं दिए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने इसके पक्ष में दो तर्क रखे। उन्होंने कहा कि पार्टी के अलग समूह बनाने वाले सदस्यों में से कुछ ने दूसरी पार्टी जॉइन की है। ऐसे में वे तृणमूल कांग्रेस के सदस्य नहीं रहे।

नीट री-एग्ज़ाम अभ्यर्थियों के लिए एनटीए ने एडवायज़री जारी की

एडवायज़री में ड्रैस कोड के अलावा कौन सी वस्तुएं ले जा सकते हैं, कौन सी नहीं, यह भी बताया गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जून। नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2026 के 21 जून को होने वाले री-एग्जाम में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए एक एडवाइज़री जारी की है, जिसमें परीक्षा केन्द्रों पर पालन किए जाने वाले ड्रेस कोड, अनुमति प्राप्त वस्तुएं और सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई है। एजेंसी ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वे परीक्षा के सुचारु और सुरक्षित संचालन के लिए सभी निर्देशों का पालन करें।

- **दिशा-निर्देशों के अनुसार, पारदर्शी पानी की बोतल ले जा सकते हैं, एडमिट कार्ड को प्लास्टिक के पाउच में रख सकते हैं, पर किसी भी प्रकार के इलैक्ट्रोनिक उपकरण, मोबाइल फोन, इयर फोन, स्मार्ट वॉच, बड़े बैल्ट बकल, धातु के आभूषणों आदि पर रोक है।**
- **इसके अलावा अभ्यर्थी चाहे तो धार्मिक चिन्ह कलावा, पगड़ी, हिजाब आदि पहन सकता है, पर इसके लिए उन्हें निर्धारित समय से पहले आना होगा ताकि उनकी तलाशी प्रक्रिया हो सके।**
- **हाई हील के जूते-चप्पल भी पहने जा सकते हैं और पूरी बाजू के वस्त्र या गर्म कपड़ों की भी अनुमति है, पर इनकी भी विशेष तलाशी होगी।**

परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए निम्न दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं- पानी की पारदर्शी बोतल परीक्षा हॉल के अंदर ले जाने की अनुमति है। उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड बारिश में भीगने या किसी अन्य नुकसान से बचाने के लिए पारदर्शी प्लास्टिक पाउच में ले जा सकते हैं। उम्मीदवार आस्था से जुड़े वस्त्र या प्रतीक पहन सकते हैं, जैसे धार्मिक प्रतीक, कलावा, पगड़ी, हिजाब आदि। लेकिन, इसके लिए उन्हें समय से पहले परीक्षा केन्द्र पर रिपोर्ट करना होगा, ताकि उचित जांच (फ्रिस्किंग) की जा सके। बेहतर होगा कि हल्के कपड़े पहनें, लेकिन आवश्यकता होने पर उम्मीदवार फुल स्लीव कपड़े या ऊनी वस्त्र पहन सकते हैं, लेकिन उनकी अतिरिक्त सुरक्षा जाँच होगी। इसी प्रकार, चप्पल और कम हील वाले जूते पहनना बेहतर है। लेकिन हाई हील जूते भी पहने जा सकते हैं, किन्तु इन उम्मीदवारों की अतिरिक्त जांच हो सकती है।

एनटीए ने परीक्षा हॉल में इन वस्तुओं को ले जाने पर रोक लगाई है: मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, किसी भी प्रकार के संचार उपकरण, धातु की वस्तुएं, बड़े बेल्ट बकल, भारी आभूषण तथा अन्य ऐसी वस्तुएं, जो सुरक्षा जांच में बाधा डाल सकती हैं परीक्षण एजेंसी ने कहा है कि परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले, सभी उम्मीदवारों की अनिवार्य रूप से तलाशी (फ्रिस्किंग) ली जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित रिपोर्टिंग समय पर अपने परीक्षा केन्द्र पहुंचें, ताकि सुरक्षा जांच समय पर पूरी हो सके और अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सके।

राहुल अब मुस्कुराकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)?

तमिलनाडु में कांग्रेस को एक नया सहयोगी मिल गया है और कई दशकों बाद कांग्रेस राज्य की सत्ता का हिस्सा बनी है।

मुलायम सिंह यादव अब इस दुनिया में नहीं हैं और अखिलेश यादव राहुल गांधी के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि उन्हें कांग्रेस के मुस्लिम, दलित और कमजोर वर्गों के वोटों की आवश्यकता है।

लालू यादव भी अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में हैं और उनके पुत्र तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को नेता के रूप में स्वीकार कर लिया है।

पिछले एक वर्ष में हुए इन बदलावों ने विपक्ष के बीच राहुल गांधी की स्थिति और छवि को मजबूत करने का काम किया है।

शिक्षा क्षेत्र, नीट, सीबीएसई, बेरोजगारी और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर मोदी सरकार के खिलाफ राहुल गांधी के हालिया हमलों को नई पीढ़ी, यानी जनरेशन-ज़ैड का समर्थन मिल रहा है। यह वही युवा वर्ग है, जो उभरते हुए भारत का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों से नाराज़ तथा निराश है।

कांग्रेस के अधिक से अधिक कार्यकर्ता और नेता राहुल गांधी को भारत का अगला प्रधानमंत्री बनने की शुभकामनाएं दे रहे हैं और अब वे इसे मुस्कुराकर स्वीकार कर रहे हैं।

उन्होंने 2004 में राजनीति में प्रवेश किया, लोकसभा चुनाव लड़ा और सांसद बने। तब से अब तक उनकी राजनीतिक यात्रा लंबी, कठिन और उतार-चढ़ाव से भरी रही है, जिसमें उपलब्धियों से अधिक असफलताएं रही हैं। लेकिन आज उनके 56वें जन्मदिन के समारोह में वे जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता से भरे दिखाई दिए, उससे स्पष्ट था कि पार्टी के भीतर और बाहर, दोनों जगह वे अब अपनी स्थिति को लेकर पहले से कहीं अधिक आश्वस्त हैं।

संभव है कि वे अगले एक-दो दिन में विदेश यात्रा पर चले जाएं, लेकिन पिछले वर्ष से वे अपना जन्मदिन कांग्रेस पार्टी के साथ ही मना रहे हैं।

अमेरिका-ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें 18 लोगों की मृत्यु हुई। ईरान ने लेबनान में हिंसा और हमलों को रोकने की शर्त के उल्लंघन की ओर इशारा किया, जिसे समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक माना गया था।

इसके बाद, ईरान जिनेवा वार्ताओं से अलग हो गया, वार्ता में शामिल होने के लिए उपराष्ट्रपति वेंस शुक्रवार को स्विट्ज़रलैंड जाने वाले थे। ईरान के हटने के बाद वेंस को अपना स्विट्ज़रलैंड दौरा रद्द करना पड़ा और स्थिति फिर से पहले जैसी अनिश्चित हो गई है।

इज़रायल और हिज़्बुल्लाह, दोनों ही ईरान और अमेरिका के बीच की वार्ता प्रक्रिया से स्वयं को बाहर महसूस कर रहे थे, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता लगभग अंतिम चरण में था। इज़रायल का मानना था कि उसे शामिल नहीं किया गया, जबकि हिज़्बुल्लाह को लगा कि उसका समर्थक रहा ईरान उसके हितों को नज़रअंदाज़ कर समझौता कर रहा है।

वार्ता के बाधित होने से विश्व और कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं और लोगों की खुशहाली पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं। युद्ध और तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से तेल की आपूर्ति रुक गई थी, जिससे तेल की कीमतें बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई थीं।

भारत भी ईरान संकट से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ, क्योंकि तेल और खासकर एलएनजी (ससोई गैस) की आपूर्ति लगभग बंद हो गई थी। युद्ध शुरू होने के बाद रसोई गैस की कीमतें तेजी से बढ़ीं, जिससे भारतीय परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया।

आज एक टैंकर भारत पहुँचा है, जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के रास्ते तेल लेकर आया है। शुक्रवार को 25 जहाज़ इस जलमार्ग से गुज़रे, जो पहले की तुलना में बड़ा सुधार है, जब लगभग कोई आवाजाही संभव नहीं थी। ईरान ने कहा है कि वह इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाज़ों को मुफ्त समुद्री सेवाएँ प्रदान करेगा।

अमेरिका-ईरान समझौते के अनुसार, समुद्री मार्ग पूरी तरह से खोला जाना था और ईरान बिना किसी शुल्क के जहाज़ों को गुजरने देगा। यह वही व्यवस्था थी जो युद्ध शुरू होने से पहले थी।

चौदह बिंदुओं वाले इस समझौते में ईरान की परमाणु कार्यक्रम ने आगे न बढ़ाने की प्रतिबद्धता, नुकसान की भरपाई और ईरानी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए 300 अरब डॉलर का पुनर्निर्माण कोष, और अमेरिका द्वारा सभी प्रतिबंध हटाने का प्रावधान शामिल था।

यह समझौता ईरान को कई रियायतें देता है, जिसमें सभी प्रतिबंधों का हटना और वैश्विक बाजारों तक पहुंच बहाल होना शामिल है। लेकिन अब हिज़्बुल्लाह की कार्रवाई के कारण ईरान इन लाभों को खोने की स्थिति में है।

दूसरी ओर, इज़रायली सरकार पर दक्षिणपंथी समूहों का भारी दबाव है, जो इज़रायली सैनिकों की मौत के लिए हिज़्बुल्लाह को कठोर सज़ा देने की मांग कर रहे हैं।

दोनों पक्षों का रुख सख्त होने के कारण, शांति प्रक्रिया के बाधित होने की आशंका और बढ़ गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आज

नई दिल्ली, 19 जून। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और उससे जुड़े विवादों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला पत्र लिखकर छात्र आत्महत्याओं के मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पार्टी ने 20 जून से दिल्ली के जंतर-मंतर पर

- **पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री को छात्र आत्महत्याओं पर खुला पत्र लिखा।**

प्रदर्शन का ऐलान किया है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में अभिजीत दीपके ने दावा किया है कि हाल के दिनों में परीक्षा संबंधी तनाव और कथित पेपर लीक की घटनाओं के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या की है। उन्होंने मांग की कि ऐसे छात्रों के परिवारों को केंद्र सरकार की ओर से एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

पत्र में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही तय करने की मांग भी उठाई गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के अनुसार, कल यानी 20 जून से जंतर-मंतर पर छात्र और समर्थक एकत्र होंगे।

पार्टी का कहना है कि देशभर से छात्र इस आंदोलन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच रहे हैं।

कांग्रेस के साथ विलय का सवाल ही नहीं- उद्धव ठाकरे

मुंबई, 19 जून। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपनी पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर विरोधियों को करारा जवाब दिया है। मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस के साथ पार्टी के विलय की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उद्धव ठाकरे ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब हमने 30 साल के गठबंधन के बाद भी भाजपा के साथ अपनी पार्टी का विलय नहीं किया, तो फिर कांग्रेस के साथ विलय करने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

अपनी पार्टी के छह लोकसभा सांसदों की बगावत के बीच शिवसेना-

- **उद्धव ठाकरे ने स्थापना दिवस पर कहा कि अगर पार्टी को मुझ पर विश्वास नहीं है तो पद छोड़ दूंगा।**

यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को भावुक होते हुए कहा कि चुनौतियों और हमलों के बावजूद मेरा संकल्प कमजोर नहीं पड़ा है, लेकिन अगर पार्टी को मुझ पर भरोसा नहीं है, तो मैं अपना पद छोड़ने को तैयार हूं। उन्होंने कहा, मैं किसी भी योग्य व्यक्ति को शिवसेना का अध्यक्ष बनाने के लिए तैयार हूं। मैं संघर्ष से पीछे हटने वाला नहीं हूं, लेकिन जिस दिन आपको लगे कि मैं इस जिम्मेदारी के लिये सही आदमी नहीं हूं, उसी दिन यह पद छोड़ दूंगा।

उद्धव ठाकरे ने भाजपा और कांग्रेस की राजनीति की तुलना करते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ हमारे हमेशा से तीखे राजनीतिक मतभेद रहे हैं। विचारों की यह लड़ाई जगजाहिर है। लेकिन कांग्रेस ने कभी भी शिवसेना को जड़ से खत्म करने की कोशिश नहीं की। इसके विपरीत, भाजपा आज शिवसेना का नामोनिशान मिटाने पर तुली हुई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा की हर समस्या ताकत से हल नहीं होती- उपराष्ट्रपति वैंस

अमेरिका-ईरान समझौते पर इज़रायल की आलोचनाओं पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने तीखी प्रतिक्रिया दी

वॉशिंगटन, 19 जून। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच 108 दिनों तक चले युद्ध के बाद अमेरिका-ईरान परमाणु समझौता वार्ता को लेकर इज़रायल की आलोचनाओं पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने गुरुवार को प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि हर राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी समस्या को ताकत का इस्तेमाल कर हल नहीं किया जा सकता।

तुर्किए की सरकारी संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी के अनुसार, एक इंटरव्यू में अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि इज़रायल में इस समझौते को लेकर जो घबराहट और विरोध देखने को मिल रहा है, वह काफी हद तक अविश्वास और गलतफहमियों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने लंबे समय से इज़रायल का विश्वसनीय साझेदार होने का प्रमाण दिया है और यह मानना कि वॉशिंगटन ने कोई खराब समझौता किया है, तथ्यों से मेल नहीं खाता।

जेडी वैंस ने कहा कि इज़रायल की राजनीतिक व्यवस्था और जनता का एक बड़ा वर्ग इस समझौते को लेकर बेहद

- **तुर्किये की सरकारी संवाद एजेंसी को इन्टरव्यू में जेडी वैंस ने कहा कि इज़रायल में इस समझौते पर घबराहट और विरोध काफी हद तक अविश्वास व गलतफहमियों पर आधारित है।**

संवेदनशील है। उन्होंने विशेष रूप से इज़राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर और वित्त मंत्री बेज़लेल स्मोट्रिच का उल्लेख करते हुए कहा कि जो नेता इस समझौते की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि उनके पास वैकल्पिक समाधान क्या है।

उन्होंने कहा, ''आप 90 लाख लोगों का देश हैं। आप अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हर समस्या को केवल लोगों को मारकर या ताकत का इस्तेमाल कर हल नहीं कर सकते।''

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने दावा किया कि यह समझौता न केवल इज़रायल बल्कि पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र और दुनिया के लिए लाभदायक साबित हो सकता है। उनके अनुसार, इस प्रक्रिया ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी हद तक कमजोर किया है और तेहरान को ऐसी रियायतें देने की स्थिति में पहुंचाया है, जो कुछ महीने पहले तक असंभव लगती थीं।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस का बयान ऐसे समय में आया है जब इज़रायल और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं जारी हैं।

स्टालिन ने भी राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिखा: ''भारत के विचार, हमारे संविधान और संघवाद की रक्षा के लिए हमारा साझा संकल्प हमें मार्गदर्शन देता रहेगा-यह हमारे लोकतंत्र की आत्मा की लड़ाई है, और हम इसे साथ मिलकर तब तक लड़ते रहेंगे, जब तक जीत नहीं मिलती।''

यह उत्तर राहुल गांधी की ओर से उस अलग हुए सहयोगी के लिए एक संधि संदेश (ऑलिव ब्रान्च) माना जा रहा है, खासकर उस स्थिति में, जब कांग्रेस ने तमिलनाडु चुनावों के बाद टीवीके के साथ जाने का निर्णय ले लिया है।

कांग्रेस के इस कदम से नाराज डीएमके ने पार्टी से संबंध तोड़ लिए हैं और इंडिया गठबंधन से भी दूरी बना ली है। पार्टी ने इस महीने की शुरुआत में हुई इंडिया ब्लॉक की बैठक में भी भाग नहीं लिया और लोकसभा अध्यक्ष को यह पत्र भी लिखा है कि उसे सदन में नई बैठक व्यवस्था चाहिये, क्योंकि वह कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना नहीं चाहती।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के नए मित्र जोसेफ विजय ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उन्हें ''भाई'' कहा। इससे स्टालिन द्वारा 2025 में राहुल के जन्मदिन पर दी गई शुभकामना याद आ गई।

विजय ने लिखा: ''आप, जो हमारे महान राष्ट्र भारत के विकास, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए अपनी आवाज उठाते रहते हैं, मैं आपको अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु, आपके सभी प्रयासों में सफलता और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट सेवा की कामना करता हूँ।''

राहुल गांधी ने विजय को जवाब देते हुए लिखा: हम संविधान और हमारे लोकतंत्र को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता में एकजुट हैं-और साथ मिलकर हम तमिलनाडु के लोगों के कल्याण, गरिमा और आकांक्षाओं के लिए काम करते रहेंगे।

जहाँ स्टालिन और विजय के पोस्ट कांग्रेस के साथ उनके बदलते संबंधों को दिखाते हैं, वहीं राहुल गांधी के जवाब भी एक अलग कहानी कहते हैं।

विजय को उन्होंने तमिलनाडु स्तर पर काम जारी रखने का आश्वासन दिया, जबकि स्टालिन को उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भारत के विचार की रक्षा के साझा संकल्प का संदेश दिया।

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या डीएमके राहुल गांधी के ''एकता'' के आ ान को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार करेगी। डीएमके के पास लोकसभा में 22 सांसद हैं और वह विपक्षी राजनीति में एक महत्वपूर्ण शक्ति है। खासकर तृणमूल और यूबीटी सेना के विघटन के बाद, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लिए डीएमके के समर्थन के बिना प्रमुख भाजपा विधेयकों को रोकना कठिन होगा।

आने वाले सप्ताह यह बताएंगे कि स्टालिन भाजपा की विपक्षी दलों को विभाजित करने के कुत्सित खेल को कैसे देखते हैं और क्या वे मोदी-शाह के साथ मिलकर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ लेने के बजाय, दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाते हैं।

शासन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पहली बार जमानती वारंट जारी करते हुए 12 जून को तलब किया था, लेकिन कार्यालय बंद होने की वजह से वारंट की तामील नहीं हो सकी। ऐसे में अगली सुनवाई पर बेंच ने फिर से आईएएस को जमानती वारंट जारी करते हुए 1 जुलाई को तलब किया है।

पिछली सुनवाई पर बेंच ने कहा कि हमने विभाग के शासन सचिव अंबरीश कुमार को सम्मन जारी करते हुए 8 जून को बेंच के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। सम्मन की तामील होने के बावजूद, शासन सचिव उपस्थित नहीं हुए और न ही अनुपस्थिति का कोई कारण बताया गया। यह न्यायिक आदेशों की अवहेलना है। ऐसे में शासन सचिव को जमानती वारंट जारी किए जाते हैं।

'राम मंदिर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के लिए नुकसानदेह दिख रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पार्टी के अपने नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाया है। विवाद तब और बढ़ गया, जब समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने दावा किया कि कम से कम 7 करोड़ रुपये की दान राशि का गबन किया गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने अदालतों से इन आरोपों पर संज्ञान लेने की अपील की है, जबकि भाजपा के कुछ नेताओं ने भी इस विवाद को और हवादी है।

भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने हाल ही में दावा किया कि उन्हें दान राशि के कथित दुरुपयोग की जानकारी है, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका विवरण देने से इनकार कर दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर ट्रस्ट के वित्तीय मामलों में अधिक पारदर्शिता की मांग की है।

उन्होंने दान, खर्च, संपत्तियों, बैंक खातों और भूमि लेन-देन का विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करने की मांग करते हुए कहा कि मंदिर में दान देने वाले श्रद्धालुओं को यह जानने का अधिकार है कि उनकी भेंट का उपयोग कैसे किया जा रहा है।

इस बीच, नृपेन्द्र मिश्रा ने नकदी, सिक्कों और कीमती धातुओं सहित विभिन्न प्रकार के दानों के प्रबंधन में गंभीर कमियों की ओर ध्यान दिलाया है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रबंधन व्यवस्था के दो मूल आधार, ईमानदारी और निगरानी होते हैं, लेकिन इस मामले में दोनों स्तरों पर विफलता दिखाई दी है। पूर्व नौकरशाह ने कहा कि इस पूरे मामले से उन्हें बहुत दुख हुआ है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब राम मंदिर प्रोजेक्ट अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है।

जहाँ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि धन के गायब होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है, वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसी महीने उत्तर प्रदेश सरकार से विस्तृत और निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया।

वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा में बैठने वाला डमी परीक्षार्थी गिरफ्तार

आरोपी राजकीय महाविद्यालय रानीवाड़ा में लैब असिस्टैंट है और मूल प्रत्याशी की जगह परीक्षा में बैठा था

जयपुर, 19 जून। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने के मामले में कार्रवाई करते हुए, एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी महेन्द्र कुमार मूल अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा में बैठा था। चौंकाने वाली बात यह है कि महेन्द्र कुमार स्वयं सरकारी कर्मचारी है और जालौर जिले के राजकीय महाविद्यालय रानीवाड़ा में लैब असिस्टेंट के पद पर कार्यरत था।

- **एसओजी के अनुसार, मध्यस्थ रामहंस मीना के जरिए सत्य प्रकाश मीना और महेन्द्र कुमार के बीच 6 लाख रूपए में डमी के रूप मे परीक्षा देने का सौदा हुआ। महेन्द्र कुमार ने सत्य प्रकाश के स्थान पर सामान्य ज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान की परीक्षा दी।**

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थी बैठाने के मामले की जांच के दौरान, महेन्द्र कुमार (30), निवासी खिरोड़ी, जिला जालौर, की भूमिका सामने आई। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है तथा पूरे गिरोह के अन्य सदस्यों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

जांच में सामने आया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान) भर्ती परीक्षा में मूल अभ्यर्थी सत्य प्रकाश मीना (32), निवासी मोहनपुरा जिला गंगापुर सिटी, ने स्वयं परीक्षा नहीं दी थीं। उसने परीक्षा पास करने के लिए डमी परीक्षार्थियों की मदद ली थी।

एसओजी के अनुसार, मध्यस्थ रामहंस मीना के जरिए सत्य प्रकाश मीना और महेन्द्र कुमार के बीच छह लाख रुपए में सौदा तय हुआ था। इसके तहत, 29 जनवरी 2023 को भरतपुर स्थित श्री अग्रसेन महिला विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा केन्द्र पर महेन्द्र कुमार ने सत्यप्रकाश मीना के स्थान पर सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा दी थी।

एसओजी जांच में यह भी सामने आया कि डमी अभ्यर्थियों की मदद से परीक्षा उत्तीर्ण कर सत्यप्रकाश मीना का वरिष्ठ अध्यापक (विज्ञान विषय) पद पर चयन हो गया था। लेकिन आरपीएससी में शिकायत पहुंचने के कारण उसका नियुक्ति पत्र जारी नहीं हो सका। एसओजी इस मामले में मुख्य अभ्यर्थी सत्य प्रकाश मीना को 28 दिसंबर 2023 को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #Based on the testing report of Govt. certified agency. Actual mileage may vary as per riding conditions. ^As per internal testing under standard conditions and may vary as per road & riding conditions. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. *Ex-showroom price of Super Splendor Xtec2.0 applicable in Rajasthan. T&C Apply.

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलर: उदयपुर: मनामा हीरो, बी.एन. कॉलेज के सामने, पाठों की मगरी, 9289922198, वी.एस.एस. हीरो, हीरन मगरी, अहमदाबाद रोड, 9289922640, रॉयल हीरो, पंचवटी, 9289922196, चित्तौड़गढ़: शिशोदिया हीरो, 9289922422, एवीएस हीरो, 9289922767, बांसवाड़ा: तैय्यब हीरो, 9289922204, राजसमन्द: आकाशगंगा हीरो, 9289922477, एडिशनल वर्कशॉप: आकाशगंगा हीरो, 50 फीट रोड़, कॉकरोली, 9636068048, डुंगरपुर: दोशी हीरो, 9289922620, एक्सटेंशन काउंटर: नवदेरा रोड़, 9460908688, घाटोल: रिषभदेव हीरो, 9289922969, सागवाड़ा: सिटी हीरो, बांसवाड़ा रोड़ 9289922941, एसोशिएट डीलर: उदयपुर: उदयपुर मोटर्स, 9414165252, 7073822252, जय भवानी ऑटोमोबाइल्स, 8003597816, ग्लोबल मोटर्स 9414102552, रॉयल ऑटो पॉइंट, 2454023, 9414160518, रिजन मोटर्स, 8003863230, खैरवाड़ा: सुरभि मोटर, 9929282708, 9413318708, नाथद्वारा: श्रीकृष्णा ऑटोमोबाईल्स, 9829137948, रेलमगरा: बोहरा ऑटोमोबाईल्स कम्पनी, 9414620981, आमेट: बुरहानी मोटर्स, 9414659253, भिन्डर: सैफ ऑटोमोबाईल्स, उदयपुर रोड़, 02957-250268, 9414831786, प्रतापगढ़: स्वास्तिक मोटर्स, 9414109096, सगतडा: मेवाड़ ऑटो पॉइंट, 261257, 9460508614, वल्लभनगर: नाकोडा ऑटोमोबाईल्स, 240081, 9413161901, सलूम्बर: मैमून मोटर्स, पंचायत समिति के पास, 8949788534, फतेहनगर: बोहरा मोटर कम्पनी, 9929283711, 8561031511, आसपुर: कुंदन मोटर कम्पनी, 9414724292, बेंगू: श्री महावीर ऑटोमोबाईल्स, 9414730240, गोगुंदा: ललित मोटर्स, 9530075925, सिमलवाड़ा: नागेश्वर मोटर्स, 9783459901, 9672703377, गढ़ी परतापुर: टॉप गियर, 9799341799, गनोदा: आरकेजी मोटर्स, पुराना बस स्टैण्ड, 7428595882, झाडोल: भवानी मोटर्स, उदयपुर रोड़, 8003597815, 7340054497, कपासन: श्री नाकोड़ा एजेन्सी, 9829341093, सबला: पुण्य मोटर्स, 9828675755, डबोक: बी.एस.एस. मोटर्स, मावली रोड़, 0294-2655555, 9649424777, बागीडोरा: सुरभी ऑटोमोबाईल, 7568350255, चितरी: वी.के. मोटर्स, 9983681980, मुबारिकपुर: जी. एस. इंटरप्राइजेज, 8432307050, पीपलखूंट: जिनेन्द्र मोटर्स 9828045807, 9828079302, देलवाड़ा लोकिया: पांचाल ऑटोमोबाइल्स, 7742056415, सेनावासा: शेख मोटर्स, 9950590955, पुनाली: रॉयल मोटर्स, 7073107007, 6367597383, पलोदरा: परम साई मोटर्स, 8949960212, बिछीवाड़ा: कुमार मोटर्स, 9983991111, आनंदपुरी: श्री राम मोटर्स, 9784383378, बड़ोदिया: समय मोटर्स, 9950975843, अकोला: रोहित एजेंसी, 8290145916, छोटा डूंगरा: राजश्री मोटर्स, 9983259781, सज्जनगढ़(बांसवाड़ा): विकास मोटर्स, 9928283783, नवाडेरा रोड (डूंगरपुर): श्री मोटर्स 9460908688 (एक्सटेंशन काउंटर)9460908688, पलोदरा: परम साई मोटर्स, 9694099524, एक्सटेंशन काउंटर: कोठरी: अरनव हीरो 9509991554, 9414687129, कुराबड़: राज मोटर्स 9414977821, 9982821313, डूंगरपुर: श्री मोटर्स 9460908688, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बांसवाड़ा: तैय्यब हीरो, 9289922204, डूंगरपुर: दोशी हीरो, 9289922620, घाटोल: रिषभदेव हीरो, 9289922969, गोगुंदा: ललित मोटर्स, 9530075925, गढ़ी परतापुर: टॉप गियर, 8306601799